सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 50 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 03 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

साय सरकार ने पलटा भूपेश सरकार का फैसला, कैबिनेट की लगी मुहर

छत्तीसगढ़ में जनता चुनेगी महापौर व अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब पालिक निगमों के महापौर एवं नगर पालिकाओं के अध्यक्ष का चुनाव अब जनता करेगी। छत्तीसगढ़ की पिछली कांग्रेस की सरकार ने अप्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव की प्रथा शुरू की थी जिसे साय सरकार ने पलट दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में नगर पालिक निगम व नगर पालिका परिषद् सहित अन्य निकायों में महापौर व अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएंगेद। साय कैबिनेट ने इस पर मुहर लगा दी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के नगर पालिक निगमों के महापौर एवं नगर पालिकाओं के अध्यक्ष का निर्वाचन प्रत्यक्ष रीति से कराए जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए बैठक में छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 (संशोधन) अध्यादेश, 2024 एवं छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (संशोधन) अध्यादेश 2024 (प्रत्यक्ष निर्वाचन एवं आरक्षण संबंधित प्रावधान) की विभिन्न धाराओं में संशोधन किए जाने के संबंध में अध्यादेश 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

पूर्व सरकार ने बदला था नियम

2018 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जीत मिली थी। भूपेश बघेल मुख्यमंत्री बने और उनकी सरकार ने निकायों में चुनाव को लेकर नियम बदले। तत्कालीन सरकार द्वारा नगरीय निकायों के महापौर तथा नगर पालिकाओं के अध्यक्ष का निर्वाचन को अप्रत्यक्ष रीति से कराए जाने का निर्णय लिया था, जिसकी अधिसूचना का प्रकाशन राजपत्र में 12 दिसम्बर 2019 को किया गया था। जबकि अविभाजित मध्य प्रदेश राज्य के समय 1999 के पूर्व नगर पालिक निगमों में महापौर तथा नगर पालिकाओं के अध्यक्ष का निर्वाचन प्रत्यक्ष रीति से होता था।

निकाय चुनावों को लेकर भी बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़ सरकार ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर भी बड़ा फैसला किया है। कैबिनेट बैठक में पिछड़ा वर्ग एवं अल्संख्यक विभाग द्वारा मंत्रालय द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचन में आरक्षण को एकमुश्त सीमा 25 प्रतिशत को शिथिल करने पर सहमति बनी है। पिछड़ा वर्ग की संख्या के अनुपात में 50 प्रतिशत आरक्षण की अधिकतम सीमा तक आरक्षण के प्रावधान की स्वीकृति पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के प्रतिवेदन में प्राप्त अनुशंसा के अनुसार दी गई है। कैबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण संबंधी प्रावधानों में संशोधन किए जाने हेतु विभिन्न धाराओं में संशोधन किए जाने का निर्णय लिया गया।

पर्यटन को उद्योग का दर्जा

मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य में पर्यटन को बढ़ावा तथा योजनाबद्ध विकास के लिए छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग के प्रस्ताव पर राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा प्रदान करने का निर्णय लिया गया। छत्तीसगढ़ सरकार की नई औद्योगिक नीति 2024-30 के अंतर्गत पर्यटन, मनोरंजन एवं अन्य सामाजिक सेवा सेक्टर में शामिल के अलावा भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन नीति 2020 में पर्यटन परियोजनाओं हेतु निर्धारित न्यूनतम स्थायी पूंजी निवेश किए जाने पर सामान्य उद्योगों की भांति अनुदान, छूट, रियायत का प्रावधान किया गया है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने से प्रदेश में साहसिक, जल पर्यटन, मेडिकल एवं वेलनेस टूरिज्म, एग्रो टूरिज्म, पर्यटन की इकाईयों, लैंड बैंक में निजी निवेश को आकर्षित एवं प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। इससे स्टेक होल्डर प्रोत्साहित होंगे। पर्यटन संबंधी अधोसंरचना का विकास होगा। पर्यटन से संबंधित पूंजी निवेश बढ़ेगा। राज्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के अनुकूल सुख-सुविधाओं का विकास होगा। राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के बड़े अवसर सृजित होंगे।

ई-ऑक्शन से चना उपार्जन की अनुमति

मंत्रिपरिषद द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को वितरण के लिए नागरिक आपूर्ति निगम को आवश्यक चना उपार्जन, ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जाने की अनुमति दी गई। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत राज्य के सभी अनुसूचित विकासखण्डों एवं मॉडा पैकेट क्षेत्र में निवासरत अंत्योदय तथा प्राथमिकता वाले राशन कार्डधारियों को प्रतिमाह 5 रुपए किलो की दर से 2 किलो चना प्रदाय किया जाता है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा चना वितरण योजना के तहत 30 लाख 22 हजार परिवारों को लाभान्वित किया जा रहा है। राज्य को चना वितरण के लिए प्रति माह 6046 टन तथा प्रति वर्ष 72 हजार 52 टन चना की जरूरत होती है। चना का उपार्जन नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा किया जाता रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार की चना वितरण योजना के माध्यम से हितग्राहियों को उच्च क्वालिटी का चना प्रदाय किया जा सके, इसके लिए मंत्रिपरिषद ने नागरिक आपूर्ति निगम को ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जाने की अनुमति दी गई।

खास-खबर

आज ही के दिन भाजपा को मिला था जनादेश, सीएम साय ने जताया जनता का आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बाद एक साल पहले आज के दिन यानी 3 दिसंबर को मतगणना हुई थी। छत्तीसगढ़ के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत दिया था। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक साल पहले मतगणना के दिन को याद कर जनता का आभार जताया। सीएम साय ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट कर अपनी भावनाओं को साझा किया।

सीएम साय ने कहा कि आज ही के दिन पिछले वर्ष 03 दिसम्बर 2023 का वह स्वर्णिम दिन था, जब आपने छत्तीसगढ़ के विकास, सुशासन और समृद्धि के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेकर भारतीय जनता पार्टी को आपने प्रचंड जनादेश दिया था। वह जीत वास्तव में आपके विश्वास की ही थी, सपनों और उम्मीदों की थी। उस प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद के लिए हम आप सभी के आभारी हैं।

सीएम साय ने कहा कि सुशासन से समृद्धि के एक साल। विगत एक वर्ष में हमारी सरकार ने आपके विश्वास पर खरा उतरते हुए प्रदेश में प्रगति के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। हमने मोदी की गारंटी के सभी प्रमुख वादे प्राथमिकता से पूरे किये हैं। इससे हर वर्ग का विकास हुआ है, प्रदेश में खुशहाली आई है। हमारी सरकार इसी निरंतरता को बनाए रखते हुए प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए तत्पर है। मैं आप सभी को पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि हमारी सुशासन की सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य करेगी और प्रगति के सर्वोच्च प्रतिमान स्थापित करेगी। सीएम साय ने कहा पुनः प्रदेश की जनता का कोटि-कोटि आभार।

छत्तीसगढ़ में अब तक 20.54 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी, 4285.74 करोड़ रुपए का भुगतान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ में धान 14 नवम्बर सें शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। राज्य में 14 नवम्बर से अब तक 20.54 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। राज्य में अब तक 4.36 लाख किसानों ने अपना धान बेचा है। धान खरीदी के एवज में इन किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 4285 करोड़ 74 लाख रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज एक दिसम्बर को 45455 किसानों से 2.08 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 62966 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 38508 टोकन जारी किए गए हैं।

चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर सुनवाई टली, दलील रखने नहीं था वकील

एक सप्ताह पहले ढाका से किया गया था गिरफ्तार

ढाका ए.। बांग्लादेश में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई मंगलवार को टाल दी गई। चटगांव की अदालत में इस मामले में चिन्मय दास की तरफ से दलील रखने के लिए कोई वकील मौजूद नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई टाल दी। इस बीच इस्कॉन ने कहा है कि चिन्मय दास के वकील रामेन रॉय, जिन पर हाल ही में हमला हुआ था, कि हालत गंभीर बनी हुई है।

इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया था कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास प्रभु का बचाव करने वाले वकील रामेन रॉय पर क्रूरतापूर्वक हमला किया गया है। वह हमले में गंभीर रूप से घायल हुए हैं और अस्पताल में अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं। दास ने कहा कि वकील रॉय की एकमात्र गलती अदालत में चिन्मय प्रभु का बचाव करना था।

इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता दास ने आईसीयू में रॉय की तस्वीर के साथ एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि वकील रामने रॉय के लिए प्रार्थना करें। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उनके घर पर तोड़फोड़ की और बेरहमी से हमला किया। उन्होंने दावा किया कि हमले में रॉय गंभीर रूप से घायल हो गए। वह फिलहाल आईसीयू में हैं और अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता दास ने आईसीयू में रॉय की तस्वीर

के साथ एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि वकील रामने रॉय के लिए प्रार्थना करें। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने उनके घर पर तोड़फोड़ की और बेरहमी से हमला किया। उन्होंने दावा किया कि हमले में रॉय गंभीर रूप से घायल हो गए। वह फिलहाल आईसीयू में हैं और अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते एयरपोर्ट से हुई थी चिन्मय दास की गिरफ्तारी

बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को बीते सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। वह एक रैली में भाग लेने के लिए चटोग्राम जा रहे थे। गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार करते हुए जेल भेज दिया।

नहाने उतरा हाथी का शावक खेत के गड्ढे में फंसा, ग्रामीणों के साथ वन कर्मी ने किया रेस्क्यू, दूर खड़ा रहा हाथियों का दल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी का एक शावक पानी भरे खेत के गड्ढे में फंस गया। काफी देर तक वो गड्ढे से निकलने की कोशिश करता रहा, लेकिन इसमें वो सफल नहीं हो पाया। यहां के ग्रामीणों ने फावड़े से रास्ता बनाया, फिर शावक निकल सका। हाथियों का दल जंगल में इंतजार करता रहा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

मामला लैलूंगा रेंज के बॉर्डर से लगे चिल्कागुड़ा गांव का है। जानकारी के मुताबिक लैलूंगा रेंज में 41 हाथी का दल विचरण कर रहा है। सोमवार की सुबह तकरीबन 7 बजे दल जंगल से निकलकर खेत में पहुंच गया। यहां

एक बड़े गड्ढे में पानी भरा हुआ है, जहां सभी हाथी नहाने उतर गए। इस दौरान शावक भी नहाने के लिए उतर गया। काफी देर तक हाथियों का दल यहां रहा, लेकिन बाद में हाथी गड्ढे से निकलकर जंगल की ओर चले गए। लेकिन शावक वहीं फंस गया। इस दौरान वो गड्ढे में इधर-उधर होता रहा। कोशिश करता रहा, लेकिन निकलने में नाकाम रहा।

ग्रामीणों और वनकर्मी ने मिलकर निकाला

खेत में बने गड्ढे में फंसे शावक की जानकारी जब ग्रामीणों को लगी, तो उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। घरघोड़ा और लैलूंगा एसडीओ समेत वनकर्मी मौके पर पहुंचे। शावक को बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किया। वनकर्मी और ग्रामीणों ने गड्ढे को फावड़े से खोदकर बराबर किया, जिससे शावक बाहर निकल सका।

दूर खड़ा था हाथियों का दल, नहीं किया हमला

इस दौरान जंगल किनारे दूर में हाथियों का दल भी था। वीडियो में यह भी देखा जा रहा है कि जब ग्रामीण हाथी को निकालने के लिए मदद कर रहे थे, तो एक हाथी ग्रामीणों को देखते हुए आगे बढ़ रहा था, लेकिन उसने किसी पर हमला नहीं किया। जब शावक बाहर निकला, तो दौड़कर वह दूर चले गया।

शराब पीकर करता था गाली गलौच, छोटे भाई ने कुल्हाड़ी से बड़े भाई की कर दी हत्या

जांजगीर चांपा ए.। जांजगीर चांपा जिले में बड़े भाई के रोज-रोज शराब के नशे में गाली-गलौज से परेशान होकर छोटे भाई ने घर में रखे कुल्हाड़ी से सिर पर कई बार वार कर हत्या कर दी। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बिरगहनी गांव की है।

सिटी कोतवाली थाना प्रभारी प्रवीण द्विवेदी ने बताया कि मंगलवार की सुबह सूचना मिली की ग्राम बिरगहनी में हत्या हुई है। मौके पर पुलिस टीम और एसीसीयू की टीम पहुंची शव का पंचनामा कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वहीं आरोपी बलराम साहू को पुलिस हिरासत में लिया गया है।

जांच पड़ताल में पता चला है कि मृतक खोज राम साहू जोकि आरोपी बलराम साहू का बड़ा भाई है, जोकि रोज-रोज शराब के नशे में विवाद करते रहता था। घर के अन्य सदस्यों से भी गाली गलौज भी किया करता था। कई बार विवाद नहीं करने की बात को लेकर समझाने गया। मृतक खोज राम साहू जोकि सोमवार की रात को शराब के नशे में घर आने के बाद विवाद करने लगा। रोज-रोज के झगड़े से परेशान होकर घर में रखी कुल्हाड़ी से सिर पर कई बार वार कर हत्या कर दी।

नींव को कहां पहचान मिलती है

श्रीकंचनपथ

नौकरी के सिलसिले में एक मेट्रो में जाना हुआ। खाना बनाने के लिए एक महराजिन को बुलाया। आते ही उसने पहले मेरा इंटरव्यू ले लिया। शादी हुई है या नहीं, बच्चे हैं या नहीं, परिवार में कोई बुजुर्ग तो नहीं? यहां तक तो फिर भी ठीक था। भई काम कितना हो सकता है, इसका अंदाजा लगाने का उसे हक था। पर इसके बाद उसने सबके जन्मदिन और हमारे विवाह की वर्षगांठ की भी तिथि पूछी। अब चौंकने की बारी हमारी थी। पूछने पर उसने साफकिया कि वे ऐसे घरों में काम नहीं करतीं जहां कोई भी कार्यक्रम उसके अपने परिवार के कार्यक्रमों की तिथि पर पड़ता हो। फिर उसने अपना दर्द बयां किया। पहले-पहल वह जिन घरों में काम करती थी वहां बर्थडे और एनिवर्सरी पार्टी रात तक चलती थी। एक बार उसकी अपनी एनिवर्सरी थी। जब तक वह घर पहुंची सभी खाना खाकर सो गए थे। बहुत बुरा लगा था। कुछ ऐसा ही होता है उनके साथ जो मकान की नींव गढ़ने में खुद को खपा देते हैं। पर उनका काम किसी को दिखता नही। न ही उनकी कभी चर्चा होती है। कुछ ऐसा ही हुआ रामलला की प्रसिद्ध प्रतिमा के लिए पत्थर की तलाश करने वाले के साथ। उसका परिवार 20 पीढ़ियों से यही काम करता आ रहा है। मूर्तिकार को जैसी और जितनी बड़ी शिला चाहिए होती है, वो ढूंढ कर ला देते हैं। इसके लिए काफी भटकना पड़ता है। शिलाखण्ड को सावधानी के साथ निकालना होता है तथा उसे मूर्तिकार तक पहुंचाना भी होता है। तब जाकर मूर्तियां बन पाती हैं। लगभग 10 माह पहले अयोध्या में रामलला की जिस प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा की गई, उसके लिए शिला भी यही तलाश कर लाया था। दक्षिण भारतीय शैली में बनी इस प्रतिमा को गढ़ने वाले का नाम हुआ, इसकी प्राण प्रतिष्ठा करने वालों का भी नाम हुआ। जो लोग इसे देखने के लिए पहुंचे थे उन्हें भी पहचान मिली। विभिन्न राज्यों की सरकारों ने अपने-अपने राज्य से लोगों को समूह में दर्शन के लिए भेजे जाने की व्यवस्था भी की। पर जिसने इस प्रतिमा के लिए शिला की व्यवस्था की उसे कोई पहचान देना तो दूर, उसे आज तक अयोध्या में प्रतिष्ठित प्रतिमा के दर्शन तक नहीं हो पाए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उसे अब तक शिला उपलब्ध कराने की मजदूरी तक नहीं मिली है। स्थानीय सांसद ने उसे दर्शन कराने और प्रधानमंत्री से मिलवाने का आश्वासन भी दिया था पर ऐन वक्त पर मुकर गए। हालांकि उसके और उसके परिवार के लोग सदियों से यह काम कर रहे हैं पर इस बार की बात और थी। थोड़ा मान उसे भी मिल जाता तो किसी का क्या बिगड़ जाता? पर ऐसा ही है समाज। जिन्हें उपहार की जरूरत नहीं, उसके लिए लोग औकात से ज्यादा रकम खर्च कर तोहफे खरीदते हैं। गरीब की बारी आते ही लोगों के हाथ तंग हो जाते हैं।

संपादकीय

अब कोई बहाना नहीं

महिलाओं व लड़कियों के विरुद्ध हिंसा एक वैश्विक संकट के रूप में बरकरार है। लैंगिक वजहों से महिलाओं व लड़कियों को जान से मार दिए जाने की घटनाएं, सीमाओं, सामाजिक आर्थिक स्थितियों और संस्कृतियों से परे हैं। कहा जा सकता है लिंग आधारित हिंसा के व्यापक आंकड़े चिंताजनक हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में एक तिहाई महिलाएं अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार हिंसा का अनुभव करती हैं। वास्तव में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफहिंसा की महामारी, मानवता को शर्मसार करती है।

वर्ष 2023 में हर दिन 140 महिलाएं व लड़कियां अपने साथी या करीबी रिश्तेदार के हाथों मौत का शिकार हुई हैं। महिलाओं को जान से मारने की इस भयावह वास्तविकता का खुलासा महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही संयुक्त राष्ट्र की संस्था की एक रिपोर्ट से हुआ है। रिपोर्ट महिलाओं के खिलाफहिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस की 25 वीं वर्षगांठ के मौके पर आई है। यह रिपोर्ट 10 दिसंबर तक चलने वाले 16 दिनों के वार्षिक सक्रियता अभियान के शुरू में जारी की गई।

भारत में भी सोमवार को लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए 'अब कोई बहाना नहीं' अभियान शुरू किया गया। अभियान संयुक्त राष्ट्र महिला के समर्थन से महिला एवं बाल विकास और ग्रामीण विकास मंत्रालयों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उन्हें अपनी गरिमा के लिए लड़ने में सक्षम बनाना है। लिंग आधारित हिंसा महिलाओं और लड़कियों को सम्मान के साथ जीने और विकास प्रक्रिया में समान भागीदार के रूप में योगदान करने से रोकती है। यदि महिलाओं को पूर्ण रूप से सशक्त बनाना है, तो महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सशक्तिकरण, राजनीतिक सशक्तिकरण और शैक्षणिक सशक्तिकरण करना होगा।

हालांकि दुनियाभर में महिलाओं के खिलाफलिंग आधारित हिंसा की प्रकृति और प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने, महिलाओं को हिंसा से बचाने और उनकी सुरक्षा के लिए व्यापक कानूनी ढांचे, विशिष्ट संस्थान और नीतियां बनाई गई हैं। फिर भी महिलाओं की न्याय तक पहुंच में अभी भी बाधाएं हैं। यानी मजबूत कानून, बेहतर डेटा संग्रहण, अधिक सरकारी जवाबदेही, शून्य सहिष्णुता संस्कृति और महिला अधिकार संगठनों एवं संस्थागत निकायों के लिए वित्त पोषण में वृद्धि करके हिंसा मुक्त जीवन के अधिकार की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अभी भी काफी प्रयासों की आवश्यकता है। महिलाओं के विरुद्ध भेदभावपूर्ण रवैयों में बदलाव लाने और हिंसा की रोकथाम के लिए सक्रियता से कदम उठाने होंगे।

नजरिया

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फअपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा।

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्राय: लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अत: अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नौ वर्षों की प्रगति की झलक और आगे की राह

अरमान अली, कार्यकारी निदेशक
(एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली

इससे बेहतर संयोग नहीं हो सकता है, जैसे ही हम अति महत्वाकांक्षी सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के नौ साल पूरे होने का उत्सव मनाने, विश्लेषण करने और उस पर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जो इसके उद्देश्य को मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर को केंद्र सरकार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 40 के तहत अनिवार्य नियम बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्थान और सेवाएं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों, भारत की समावेशिता की खोज को नया प्रोत्साहन प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में उत्साह और दूरदर्शिता के साथ सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देशभर में दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित और सुखद/अनुकूल वातावरण तैयार करना है। साथ ही परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच सुनिश्चित करना है। यह अपनी तरह का पहला राष्ट्रव्यापी प्रयास था, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से टियर 1 शहरों में 50 सबसे महत्वपूर्ण भवनों और टियर 2 शहरों में 25 प्रमुख भवनों को पूर्ण रूप से सुगम्यता के लिए लक्षित किया गया था।

मुझे राज्यों के मुख्य सचिवों द्वारा बुलाई गई कई उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लेने की बातें याद हैं। उन बैठकों में विभागों को प्रगति की निगरानी करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुगम्यता उपायों को अपडेट करने का काम सौंपा गया था। इन सत्रों ने सरकार के इरादे की गंभीरता को सुदृढ़ किया और ऐसी परिवर्तनकारी पहल के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। चंडीगढ़ जैसे शहर जो अपनी बेहतर शहरी योजना के लिए जाने जाते हैं और भुवनेश्वर जो अपनी सुलभता पहल के लिए प्रसिद्ध हैं, इस अभियान के प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरे कि इस अभियान द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है।

फिर भी अपने अभूतपूर्व दृष्टिकोण के बावजूद इस अभियान को विशेष रूप से राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सुगम्यता राज्य का विषय है, ऐसे में इसके कारण कार्यान्वयन का अधिकांश बोझ राज्यों पर पड़ता है, जिनमें से कई राज्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सीमित जवाबदेही तंत्र और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ने प्रगति को और बाधित किया। अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य कई क्षेत्रों में पूरे नहीं हुए जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना।

समय पर सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इस मिशन में नई तात्कालिकता आ गई। सिफारिशों को कानूनी अधिदेशों में परिवर्तित करके कोर्ट का निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि सुगम्य भारत अभियान को गति खोने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

आगे बढ़ने को लेकर व्यक्तिगत दृष्टिकोण

अभियान की यात्रा पर विचार करते हुए मेरा मानना है कि सुगम्य भारत 2.0 को स्वच्छ भारत अभियान जैसी सफल पहल के समान एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए मजबूत हितधारक जुड़ाव, स्पष्ट जवाबदेही तंत्र और प्राप्त करने योग्य समयसीमा महत्वपूर्ण हैं। प्रोत्साहन परिवर्तन के प्रमुख संचालक होंगे। उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय एनएएसी मान्यता के लिए सुगम्यता को एक मानदंड बना सकते हैं, जबकि उद्योग, स्थानीय सरकार और सार्वजनिक संस्थानों को सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांतों को अपनाने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है।

अभियान का फोकस भौतिक बुनियादी ढांचे से लेकर उत्पादों, सेवाओं और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तक होना चाहिए। निजी क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को पूरा करने की अपार संभावनाएं हैं। कंपनियां अपने कार्यालयों, उत्पादों और सेवाओं में समावेशी डिजाइन सिद्धांतों को अपना सकती हैं, जबकि दिव्यांग लोगों के संगठन (डीपीओ) के साथ साझेदारी दिव्यांग लोगों की जरूरतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि या जानकारी प्रदान कर सकती है। सुगम्यता को सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक रणनीति दोनों के रूप में पहचानना परिवर्तनकारी होगा।

चिंतन से कार्रवाई तक

नौ वर्षों के सुगम्य भारत अभियान ने एक मजबूत नींव रखी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आकांक्षा से कार्रवाई की ओर बढ़ने का एक स्पष्ट आह्वान है, जिससे सुगम्यता को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। सफलता के लिए हमें हर स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को श्रेणीबद्ध तरीके से रणनीति बनानी चाहिए, नागरिक समाज संगठनों को इसे बढ़ावा देना चाहिए, निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए और सुगम्यता में निवेश करना चाहिए। साथ ही मीडिया को इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने पिछले कुछ वर्षों में सुगम्य भारत अभियान को विकसित होते देखा है, मैं इसकी क्षमता के प्रति काफी आशान्वित हूं। कार्यान्वयन, हितधारक गठबंधन और सतत प्रगति पर अधिक ध्यान देने के साथ सुगम्य भारत 2.0 एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। एक ऐसे भारत का सपना जहां सुगम्यता केवल एक आदर्श नहीं है बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है - अगर हम दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के साथ इस क्षण का लाभ उठाते हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

सुगम्य भारत अभियानः सार्वभौमिक सुगमता कार्यान्वयन

सुगमता एक दिव्यांगों के लिए समावेशी दुनिया के निर्माण में पहली आवश्यकता है। पहुँच सुनिश्चित किए बिना, दिव्यांग व्यक्तियों को प्रदान किए गए अन्य सभी अधिकार अर्थहीन हो जाते हैं। दुनिया को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए आवश्यक है: (1) जो अतीत की त्रुटियों को सुधारता है और (2) जो भविष्य की योजना बनाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अतीत की त्रुटियाँ दोहराई नहीं जाती हैं और अतीत की त्रुटियों को सुधारने के लिए, पूर्व में निर्मित दुर्गम वातावरण का नवीनीकरण और पुनर्निर्माण करना और उसे सुलभ बनाना समय की आवश्यकता है।

निर्माण, परिवहन और सूचना एवं संचार के ईकोसिस्टम में प्रदान की गई सुगमता के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों का पूर्ण समावेशन और समान भागीदारी नितांत आवश्यक है। बाधाएँ न केवल उन लोगों के लिए मौजूद हैं जिन्हें जन्म से या जीवन के शुरुआती दौर में दिव्यांगता है, बल्कि बुजुर्गों के लिए भी, जो सुनने, देखने, गतिशीलता या मैनुअल कौशल में कमी का अनुभव कर सकते हैं; और ये कठिनाइयाँ सुलभ बुनियादी ढाँचे की माँग कर सकती हैं।

उद्देश्यः सभी नागरिकों, जिसमें बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति शामिल हैं, के लिए सार्वभौमिक सुगमता (पहुँच) प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग का एक राष्ट्रव्यापी प्रमुख अभियान, सुगम्य भारत अभियान, 3 दिसंबर, 2015 को शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य भारत की 15त्न आबादी, जिनमें किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता है, द्वारा सामना की जाने वाली अप्राप्यता को दूर करना है। यह तीन क्षेत्रों पर केंद्रित है: निर्मित पर्यावरण में पहुँच, परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र और सूचना और संचार प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी)। यह देश में सार्वभौमिक पहुँच के कार्यान्वयन को सुगम्य भारत: सशक्त भारत के मिशन के साथ अनिवार्य करता है।

एक्शनः वर्ष 2016 में, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने दिव्यांगता वाले विशेषज्ञों और सुगमता पर काम करने वाले लोगों के साथ एक संचालन समिति का गठन किया और सभी क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से सुगमता कार्यान्वयन के लिए लक्ष्यों और समय-सीमा के साथ एक रणनीति पत्र विकसित किया। विभाग द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए सुलभ नहीं होने वाली साइटों और भवनों की जानकारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पोर्टल और ऐप भी विकसित किया गया था। यह अभियान, अधिनियम, 2016 के सुगमता के नियमों दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के अध्याय ङ्कद्ध, पहुँच और धारा 15, के साथ तालमेल बिठाता है। सुगमता ऑडिट, दिशानिर्देशों का विकास, कोड और क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यशालाएँ करना अभियान के उद्देश्य को पूरा करने के लिए की गई कुछ गतिविधियाँ हैं।

समारोहः दिनांक 3 दिसंबर, 2024 को अभियान के शुरू होने के 9 वर्षों के बाद, यह दृढ़ता से महसूस किया गया है कि यद्यपि कानून के अनुसार सुगमता अनिवार्य है और अभियान ने जागरूकता बढ़ाई है व हितधारकों और सेवा प्रदाताओं के रवैये को बदल दिया है। हालाँकि, कई अधिकारियों को जीवन के सभी क्षेत्रों में सुगम्य वातावरण को लागू और सुदृढ़ करना बाकी है। इसके लिए, हम सभी को सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय सुगमता मानकों और सार्वभौमिक डिजाइन के सिद्धांतों को अपनाना, लागू करना, निगरानी करना और लागू करना चाहिए, जिससे सभी को लाभ होता है।

भविष्यः इसलिए, सुगम्य भारत अभियान दिव्यांग व्यक्तियों को स्वतंत्र रूप से जीने और जीवन के सभी पहलुओं में पूरी तरह से भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए, सार्वभौमिक सुगमता को बढ़ाने और कार्यान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जनता के लिए खुली/प्रदान की जाने वाली सभी सुविधाओं और सेवाओं के लिए दूसरों के साथ समान आधार पर उनकी समान पहुँच भी सुनिश्चित करेगा।

भागीदारीः समावेशन और सशक्तिकरण में बाधाओं को दूर करने के लिए सुलभ बुनियादी ढाँचा प्रदान करने में निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों दोनों को भूमिका निभानी है। हम व्यवसायों और कॉर्पोरेट संस्थानों, केंद्र और राज्य सरकार, दिव्यांग व्यक्तियों, दिव्यांगों की संस्थाओं (ओपीडी), नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ), गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) और अन्य सभी से हमारे सार्वजनिक और निजी भवनों, परिवहन बुनियादी ढाँचे और डिजिटल दुनिया को जल्द से जल्द सुगम बनाने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान करते हैं। यह 'किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना' और 'अधिकार को वास्तविक बनाना' की गारंटी देगा!

डॉ. अंजली अग्रवाल (पीएच.डी.)
राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त 2003, यूनिवर्सल एक्सेसबिलिटी एंड सस्टेनबल मोबाइलिटी स्पेशिलिस्ट, कार्यकारी निदेशक, सामर्थ्यम

आज का सु-विचार

इन्सान तब तक
सहन करता है जब तक
उसकी सहन करने की क्षमता होती है,
उसके बाद वो ना तो रिश्तों को जरुरी
समझता है और ना तो अपनों को !!

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड •GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट •MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE •फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव से विकास के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल ने मांगी राशि

दुर्ग। नगर पालिक निगम के महापौर धीरज बाकलीवाल ने सोमवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव से मुलाकात की और उन्हें वर्ष 2024–25 के लिए महापौर व पार्षद निधि की राशि जारी करने का आग्रह किया।श्री बाकलीवाल ने नगरीय निकाय मंत्री श्री साव से अधोसंरचना मद की राशि भी शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया है। महापौर ने कहा कि अधोसंरचना मद की राशि से शहर के सभी वार्डों में विकास का कार्य कराया जाना है।इसलिए इसे प्राथमिकता से जारी करने का कष्ट करें। महापौर श्री बाकलीवाल ने बताया कि नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव ने उनकी मांगों को सहजता और सहृदयता के साथ सुना और विचार करते हुए शीघ्र राशि जारी करने का आश्वासन दिया।

पीएम आवास आबंटन हेतु दावा-आपत्ति की तिथि निर्धारित

भिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना के मोर मकान मोर आस के घटक में नगर पालिक निगम, भिलाई क्षेत्रांतर्गत निर्मित आवासों के आबंटन हेतु किरायेदारी के रुप में निवासरत् परिवारों से एवं वरिष्ठ नागरिकजन/दिव्यांगजन हेतु विभिन्न परियोजना स्थल एनार स्टेट खम्हरिया, वार्ड क्रण् 01 सूर्याविहार के पीछे खम्हरिया, माईल स्टोन स्कूल के पीछे खम्हरिया, स्वप्निल बिल्डर्स कुरूद, कृष्णा इंजिनियरिंग कॉलेज के पीछे खम्हरिया, आम्रपाली हाऊसिंग बोर्ड अविनाश मेट्रोपॉलिश कोहका, ग्रीनवेली खम्हरिया अंतर्गत निर्मित/निर्माणाधीन आवासों के आबंटन हेतु किरायेदारों से आवेदन आमंत्रित किये गये है। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि उक्त स्थलों पर आवास आबंटन हेतु कुल 1018 आवेदन प्राप्त हुये है। आवेदनों की सूची अपूर्ण दस्तावेज एवं पूर्ण दस्तावेज संलग्न कर आवेदन जमा किये आवेदकों की सूची दावा–आपत्ति हेतु मुख्यालय एवं जोन कार्यालयों के सूचना पटल पर चस्पा की जा रही है।

सम्मेलन का संचालन करने दो पार्षद अधिकृत

रिसाली। नगर पालिक निगम के सभापति केशव बंछोर ने अपनी अनुपस्थिति में सम्मेलन का संचालन करने दो पार्षदों को अधिकृत किया है। अधिकृत पार्षदों में वार्ड 36 के रोहित धनकर और वार्ड 40 की रंजीता बेनुआ है। निगम द्वारा कराए जाने सम्मेलन अथवा समान्य सभा में अपरिहार्य कारणों से सभापति के अनुपस्थित होने पर दोनो पार्षद क्रमशः सभापति के दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

11 साल बाद रेलवे जोन में यूनियन चुनाव मान्यता पाने यूनियनों ने झोंकी ताकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के मान्यता प्राप्त यूनियन के लिए 4 व 5 दिसंबर को मतदान होना है। रेलवे विभागों व कर्मचारियों के बीच चुनाव को लेकर माहौल गर्म है। 11 साल बाद मान्यता के लिए फिर से चुनाव हो रहे हैं। वर्तमान में मान्यता प्राप्त यूनियन मजदूर कांग्रेस के पास अपनी साख बचाने की चुनौती है। माना जा रहा है कि इनका सीधा मुकाबला मजदुर संघ के साथ है। वहीं 4 अन्य यूनियने भी मान्यता पाने की रेस में है। मतदान को देखते हुए बिलासपुर जोन के सभी विभागों में यूनियन नेता लगातार दौरे कर प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

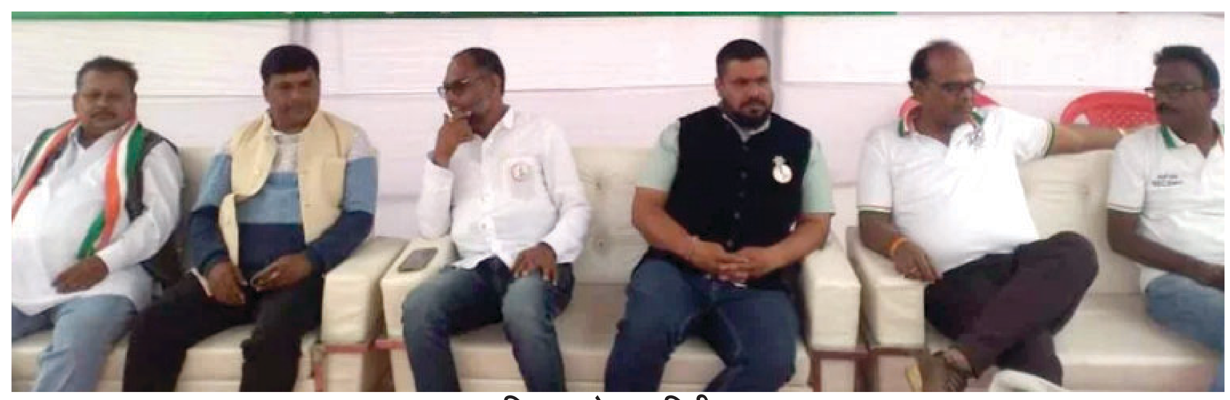

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के मान्यता प्राप्त यूनियन के लिए हो रहे चुनाव को लेकर एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। इस बार चुनाव में पोस्टर व फ्लैक्स वार सुर्खियों में है। भिलाई–3 चरोदा एवं दुर्ग के रेलवे कालोनी, चौक–चौराहे और स्टेशन परिसर प्रचार सामग्री से पट गए हैं। बड़े–बड़े पोस्टर और फ्लैक्स हर जगह नजर आ रहे हैं। रेलवे के छह संगठनों ने अपनी–अपनी ताकत झोंक दी है।

मतदान की तारीख नजदीक आते ही सभी यूनियन के नेता कर्मचारियों से सतत संपर्क स्थापित कर अपने यूनियन के पक्ष में मतदान करने का आग्रह कर रहे हैं। वर्तमान में लागू नई पेंशन योजना (यूपीएस) की जगह पुरानी पेंशन योजना को वापस लाने के वादे पर सभी यूनियन वोट मांग रही हैं।

33 प्रतियशत वोट पर टिकी मान्यता

यूनियन मान्यता चुनाव में इस बार छह संगठन उतरी है। किसी यूनियन को मान्यता प्राप्त करने के लिए कुल वोटों का 33 प्रतिशत हासिल करना अनिवार्य है। मान्यता प्राप्त संगठन को सरकार से सीधे बातचीत करने और कर्मचारियों की मांगों को उठाने का अधिकार मिलेगा। यही कारण है कि सभी छह संगठन अपनी ओर अधिक से अधिक वोट आकर्षित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रेलवे यूनियन चुनाव में पोस्टर वार ने प्रचार को नई ऊंचाई दी है। हर संगठन की कोशिश है कि वे मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचा सकें।

11 साल के हमारे काम से मिलेगी जीत : डी विजय कुमार

मजदूर कांग्रेस के डिविजनल को–ऑर्डिनेटर डी विजय कुमार का कहना है कि 11 वर्षों से हमारा संगठन कर्मचारियों के हितों के लिए लड़ा है। हमारे द्वारा किए गए कार्य हमें एक बार फिर से जीत दिलाएंगे और मजदूर कांग्रेस को ही एक बार फिर से मान्यता मिलेगी। चुनाव प्रचार के दौरान कर्मचारियों को साथ मिल रहा है और हमें पूरा विश्वास है कि एक फिर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन के मान्यता प्राप्त यूनियन के रूप मजदूर कांग्रेस जीत दर्ज करेगी।

2013 में हुआ था पिछला यूनियन चुनाव

पिछला यूनियन चुनाव 2013 में हुआ था, जिसमें मजदूर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी और तब से वह सत्ता में है। इस बार श्रमिक यूनियन, स्वतंत्र बहुजन समाज रेलवे कर्मचारी, मजदूर संघ, मजदूर यूनियन और अखंड रेलवे संगठन भी मैदान में हैं। जोन स्तर पर 40 हजार से अधिक मतदाता अपने वोट से नई यूनियन को चुनेंगे। 2013 में जब चुनाव हुआ था तब चुनाव प्रचार का तरीका अलग था। इस बार अलग है। चौक–चौराहों पर संगठनों के दावे और वादों को रंगीन फ्लैक्स में प्रदर्शित किया जा रहा है।

व्यक्ति के कार्यों से ही याद रखा जाता है - दीपक

रिसाली निगम के प्रभारी राजस्व अधिकारी हुए सेवा निवृत्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। व्यक्ति के कार्यो से उन्हें याद रखा जाता है। सम्मान हमेशा उनके द्वारा किए गए कार्यो के लिए किया जाता है। उक्त बाते सांसद प्रतिनिधि दीपक चंद्राकर ने रिसाली निगम के प्रभारी राजस्व अधिकारी संजय वर्मा के सेवा निवृत्त होने पर आयोजित समारोह में कही। उन्हें बिदाई देने अधिकारी और कर्मचारी निगम के सभागार में उपस्थित थे।

बिदाई समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति केशव बंछोर ने की। उन्होंने कहा कि प्रभारी राजस्व अधिकारी अपने पूरे कार्यकाल में आम लोगों की मदद की है। उन्होंने कभी यह नहीं देखा कि कार्यालय आने वाले किस वर्ग से है। यही वजह है कि कार्यकाल समाप्त होने पर पूरा कार्यालय यहां उपस्थित है। बिदाई समारोह में एमआईसी सनीर साहू, पार्षद धर्मेन्द्र भगत, रमा साहू, मनीष यादव, विलास राव बोरकर, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, एम.पी. देवांगन विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन चन्द्रपाल हरमुख ने किया।

सम्मान करने लगी कतारे

राजस्व विभाग के प्रभारी अधिकारी संजय वर्मा के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान करने कतार लगी। सबसे पहले रिसाली निगम के राजस्व विभाग से रवि श्रीवास्तव, टिकेन्द्र वर्मा ने शाल, श्रीफल और उपहार देकर सम्मानित किया। इसके बाद सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर ने शाल व समृति चिन्ह के साथ महापुराण गीता भेंट किया।

कर्मचारी संगठन के गोपाल सिन्हा, बृजेन्द्र परिहार, अमित चंद्राकर ने शाल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह के अंत में निगम की ओर से कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे व एम.पी. देवांगन ने प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया। निगम कर्मियों ने अपने अधिकारियों की बिदाई बाजे गाजे ओर आतिशबाजी कर की।

कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् में सदस्य बनाए गए विधायक रिकेश सेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के प्रथम और देश के दूसरे कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में अधिनियम क्रमांक 24 वर्ष 2004 (संशोधित) अधिनियम 2005 की धारा 22 (1) (तीन) के प्रावधान अनुसार विधान सभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह द्वारा नामांकित एवं छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के आदेश पर वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन को दो वर्ष की कालावधि के लिए विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् का सदस्य मनोनीत किया गया है। कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने इस आशय का आदेश जारी कर दिया है। बता दें कि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ की नींव वर्ष 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने रखी थी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन को विश्वविद्यालय कार्य परिषद् समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है।

बीएसपी रावघाट परियोजना से जुड़े गाँव के नागरिकों के द्वितीय दल ने किया संयंत्र भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी न केवल इस्पात निर्माण के क्षेत्र में देश की ताकत बढ़ा रहा है, बल्कि सामाजिक और विकासात्मक प्रयासों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी सकारात्मक बदलाव ला रहा है। रावघाट परियोजना के तहत अपने सीएसआर गतिविधी के अंतर्गत प्रभावित गांवों को गोद लेकर, बीएसपी ने शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया है।

इसी क्रम में रावघाट परियोजना के प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने और बफर विलेजेस के वनांचल वासियों को औद्योकीकरण की झलक दिखाने, आज 2 दिसम्बर 2024 को बीएसपी ने प्रभावित क्षेत्रों के 20 नागरिकों के द्वितीय दल को संयंत्र का भ्रमण कराया, जहां उन्हें इस्पात निर्माण की प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान रावघाट के मुख्य महाप्रबंधक अरुण कुमार और माइंस के अन्य वरिष्ठ अधिकारीयों ने इन नागरिकों से मुलाकात की और उन्हें संयंत्र भ्रमण के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया।

इसके पूर्व भी 27 नवम्बर 2024 को बीएसपी ने रावघाट के प्रभावित क्षेत्रों के 20 युवाओं को संयंत्र का भ्रमण कराया। इसके बाद 5 दिसम्बर 2024 को को भी 20 नागरिकों के समूह को भिलाई इस्पात संयंत्र के भ्रमण के लिए लाया जायेगा। बीएसपी की सीएसआर पहल देश के सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है, जिससे समाज में समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सके।

युवाओं ने इस यात्रा के दौरान अपने विचार साझा किए, जिसमें युवाओं ने बताया कि कैसे बीएसपी के आने से उनके जीवन और रहन–सहन में सकारात्मक बदलाव आया है। बीएसपी ने न केवल शैक्षिक सुविधाओं का विस्तार किया, बल्कि बेरोजगारों को रोजगार देने और छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए भी अवसर प्रदान किए। साथ ही, बच्चों के लिए स्कूलों की व्यवस्था, बस, गणवेश, पुस्तकें और मध्यान्ह भोजन जैसी सुविधाएँ भी प्रदान की। बीएसपी की सीएसआर पहल एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो सरकार के विकास सम्बंधित प्रयासों को मजबूत करने में मदद करती है। यह पहल राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बीएसपी के विद्युत संगठन में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल– भिलाई इस्पात संयंत्र के वेलफेयर बिल्डिंग क्रमांक–1 में स्थित विद्युत संगठन के सभागार में विगत दिनों राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन विभाग प्रमुख, मुख्य महाप्रबंधक टी के कृष्णकुमार के मुख्य आतिथ्य एवं महाप्रबंधक प्रकाश की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाप्रबंधक एवं विभागीय राजभाषा समन्वय अधिकारी रंजन कुमार पंडा ने बताया कि विभाग में अधिकाधिक कार्य हिंदी में किया जा रहा है और सांविधिक प्रावधानों का पालन भी किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा सामान्य ज्ञान पर आधारित हिंदी भाषा में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 05 प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया और उन्हें पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार विजेताओं की सूची में सहायक महाप्रबंधक स्वयं प्रकाश गुप्ता ने प्रथम स्थान, महाप्रबंधक मोहम्मद अशरफ सिद्दीकी द्वितीय स्थान, महाप्रबंधक एच आर सिरमौर तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाप्रबंधक बेन्सी जॉर्ज ने एवं महाप्रबंधक जे के पाणिग्रही ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

कार्यशाला में अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि टी के कृष्णकुमार ने कहा कि हिंदी हमारे देश की प्रमुख भाषा है, यह आम जनमानस की भाषा है और हृदय को छूती है। विद्युत संगठन ने राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि हेतु सतत प्रयास किया है। विद्युत विभाग शतप्रतिशत पत्राचार हिंदी में करने को प्रतिबद्ध है, और यही कारण है कि विभाग को राजभाषा के पुरस्कार प्राप्त होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय भाषाएँ संस्कृत पर आधारित हैं, केवल लिपि का अंतर है। थोड़ी कोशिश करने से हिंदी में काम किया जा सकता है, हम 'क' क्षेत्र में रहते हैं, अतः हमें सभी कार्यालयीन कार्य हिंदी में ही करने चाहिए। उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी और ऑनलाइन गूगल वॉइस टाइपिंग का प्रशिक्षण दिया।

घर पहुंच हितग्राहियों का बना रहे आयुष्मान कार्ड

दुर्ग। नगर निगम क्षेत्र में नागरिकों की सुविधा के लिए शिविर के माध्यम से छुटे हुये हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। शिविर दुर्ग शहर में प्रतिदिन अलग–अलग वार्डों में लगाया जा रहा है। शहर के जिन नागरिकों का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, वे शिविर स्थल पर जाकर बनवा सकते हैं। आयुष्मान कार्डधारियों को शासन से इलाज के लिए सुविधा मिल रही है। इसमें सामान्य वर्ग (एपीएल) राशनकार्ड धारी को आयुष्मान कार्ड से 50 हजार रुपए तक इलाज की सुविधा है। वहीं जिनके पास बीपीएल राशन कार्ड है, उन परिवारों को 5 लाख तक का इलाज कराने की सुविधा है। आयुष्मान कार्ड बनाने 15 वार्डो के लिए 3 दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं ।

खास खबर...

भारतीय रेलवे ने पिछले दस वर्षों में 5 लाख युवाओं को दिया रोजगार

बिलासपुर-रायपुर। भारतीय रेलवे ने वर्ष 2014-2024 के दौरान लगभग 5 लाख से अधिक युवाओं की भर्ती की है, जो पिछले दशक के पूर्व के दशक की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। यह रेलवे द्वारा रोजगार क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। पहली बार भारतीय रेलवे ने रोजगार कैलेंडर प्रकाशित किया है। सभी रिक्तियों की अधिसूचनाएं समयबद्ध तरीके से जारी की गईं।

रोजगार कैलेंडर के तहत फरवरी 2024 में सहायक लोको पायलट (एएलपी) के 18,799 पदों के लिए अधिसूचना प्रकाशित की गई। भर्ती के लिए परीक्षा 5 दिनों तक आयोजित की गई, जिसमें 29 राज्यों के 156 शहरों में 346 केंद्र शामिल थे। यह परीक्षा तीन शिफ्टों में आयोजित की गई। कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) सख्त निगरानी में आयोजित किया गया। उम्मीदवारों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए 92 प्रतिशत उपस्थित उम्मीदवारों का आधार कार्ड द्वारा सत्यापन किया गया। 18,799 पदों के लिए कुल 18.4 लाख युवाओं ने आवेदन किया। हालांकि, उपस्थित होने का प्रतिशत केवल 62 प्रतिशत था। भारतीय रेलवे की यह पहल देश में रोजगार के अवसर बढ़ाने और युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनडीआरएफ 6 को करेगा संयुक्त मॉक ड्रिल

महासमुंद। बाढ़ जैसी आपदा स्थितियों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से दो दिवसीय अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत 05 दिसंबर 2024 को बाढ़ बचाव परिदृश्य पर आधारित टेबल टॉप बैठक और 06 दिसंबर 2024 को संयुक्त मॉकड्रिल किया जाएगा। जिले में मॉक अभ्यास के आयोजन के लिए एनडीआरएफ की 20-25 सदस्यीय टीम एक राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में 04 दिसंबर 2024 को महासमुंद पहुंचेगी। यह टीम बाढ़ बचाव तकनीकों और आपदा प्रबंधन के कुशल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियों पर फोकस करेगी। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार, जिले के सभी संबंधित विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, फायर ब्रिगेड और बचावकर्ताओं को इस मॉक ड्रिल में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सूचना दी गई है। 05 दिसंबर को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित होने वाली टेबल टॉप बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है।

मल्टीपरपस गेम जोन में पहुंचे सुपर 30 के आनंद कुमार

रायपुर। राजधानी रायपुर पहुंचे सुपर 30 के आनंद कुमार देर रात को तेलीबांधा स्थित मल्टीपरपस गेम जोन में पहुंचे। वहां पर युवाओं के साथ क्रिकेट खेला। इस दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने भी बल्ला थामा और युवाओं के साथ क्रिकेट खेलें। आनंद कुमार ने बच्चों से बातचीत की और उन्हें शुभकामनाएं भी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मल्टीपरपस गेम जोन में देर रात को क्रिकेट खेलने का खूब आनंद आया। साथ ही आनंद कुमार ने युवाओं का हौंसला बढ़ाया। उन्होंने मल्टीपरपस गेम जोन बनाने पर जिला प्रशासन के कार्यों की सरहाना भी की। उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र के ओव्हरब्रिज के नीचे 9 स्थानों पर मल्टीपरपस गेम जोन तैयार किया है।

कलेक्टर गौरव सिंह ने आरंग के धान खरीदी केन्द्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सोमवार सुबह आरंग तहसील के मुख्यालय और खमतराई पहुंचे और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ कलेक्टर ने किसानों से बातचीत की। डॉ सिंह ने कहा कि मौसम को देखते हुए धान खरीदने के बाद धान के बोरों को पॉलीथीन से ढ़क कर रखें, ताकि धान बारिश के पानी से भीग कर खराब ना हो।

उन्होंने मास्टर मीटर से खरीदे गए धान की नमी चेक की और साथ ही अपने समक्ष खरीदे जा रहे धान को इलेक्ट्रॉनिक तौल से तौलाकर देखा। कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल के दर से धान खरीदी की जा रही है। केन्द्र में आ रहे सभी किसानों से इस आधार पर धान खरीदी की जाए। साथ ही उन्हें किसी प्रकार की समस्या ना हो। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप, सीएमएचओ मिथिलेश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, एसडीएम पुष्पेन्द्र शर्मा, तहसीलदार श्रीमती सीता शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर डॉ सिंह ने आरंग के एसडीएम, जनपद और तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एसडीएम, जनपद और तहसील कार्यालयों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने जनपद कार्यालय के निरीक्षण के दौरान मनरेगा शाखा, खनिज शाखा, निर्माण शाखा और प्रधामंत्री आवास शाखा के पंजी का निरीक्षण किया और अद्यतन रखने के निर्देश दिए। कार्यालय में आए हुए प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों से मुलाकात की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन्हें नियमानुसार योजना का लाभ दिया जाए।

तहसील और एसडीएम कार्यालय निरीक्षण के दौरान कोर्ट में गए और पुराने प्रकरणों की जानकारी लेते हुए समय पर निराकरण करने कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप, सीएमएचओ मिथिलेश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, एसडीएम पुष्पेन्द्र शर्मा, तहसीलदार श्रीमती सीता शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भर्ती मरीज के लिए अपने समक्ष तुरंत बनवाया आयुष्मान कार्ड

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को आरंग के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अस्पताल के प्रसुति कक्ष में भर्ती महिला से मुलाकात की और मिल रही सुविधाओं और शासन की योजनाओं की जानकारी ली। कलेक्टर दवा कक्ष में गए और एक्सपायरी दवाओं की जानकारी लेते हुए कहा कि दवाओं की रख रखाव उचित ढंग से की जाए।

कलेक्टर अन्य कक्षों में भी भर्ती मरीजों से मुलाकात की और वहां घरेलू हिंसा से घायल हुई महिला से बातचीत की और कहा कि पुलिस विभाग ऐसे मामलों पर तत्काल कार्रवाई करें, ताकि पीड़ित पक्ष को न्याय मिले। वहां उपस्थित पुलिस विभाग के अधिकारियों ने महिला के पति पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना भेजा। उन्होंने भर्ती बालक मोक्ष साहू का हाल चाल जाना और बालक के पालक से कहा कि बच्चे के खान-पान का विशेष ध्यान रखें ताकि उसकी रिकवरी जल्दी हो और अपने सामने ही बच्चे का आयुष्मान कार्ड बनवाया और कहा कि ऐसी योजनाओं का विशेष रूप से लाभ लें।

कलेक्टर ने हॉस्पिटल में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए और कहा कि चिकित्सक तथा अन्य स्टॉफ अस्पताल में आने वाले आगंतुकों को नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने उसी समय अस्पताल के भीतर एक व्यक्ति को गुटखा खाते पाए जाने पर उस पर तत्काल जुर्माने लगाने निर्देश दिए और नशा ना करने के लिए समझाइश भी दी। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप, सीएमएचओ मिथिलेश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, एसडीएम पुष्पेन्द्र शर्मा, तहसीलदार श्रीमती सीता शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नगर निगम के नियमों का उल्लंघन करने वाले अब आएंगे ई-चालान के दायरे में

शहर में गंदगी फैलाने वाले लोगों और निर्माण कार्य के नियमों के उल्लंघन करने वाले भी हो जाएं सावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम का विधिवत शुरूआत किया गया। शहर में गंदगी फैलाने वाले लोगों और निर्माण कार्य के नियमों के उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जाती रही है।

यह चालानी कार्यवाही दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट, बाजारों में गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों, कचरा को एकत्रित न कर इधर-उधर फेंकने वालों, गिला-सूखा कचरा अलग-अलग न करने वालों, खाली भूखंडों में कचरा फेंकने और उसे जलाने वालों, खुले स्थान पर शौच और पेशाब करने वालों पर नगर निगम के स्वास्थ विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता रहा है। इसके साथ-साथ कंस्ट्रक्शन वेस्ट (C&D) फैलाने, मकान निर्माण के दौरान सड़क पर निर्माण सामग्री रखने वालों, निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों तथा ग्रीन नेट न लगाने वालों पर नियमानुसार चालान की कार्यवाही निगम की नगर निवेश विभाग द्वारा जुर्माना लगाया जाता था।

नगर निगम के इस चलानी कार्यवाही में मौके पर भुगतान राशि को किसी कारण से न भुगतान कर पाने की स्थिति अथवा संपत्तिधारक के अनुपस्थिति में चलानी कार्यवाही में बाधा आती थी जिससे कई बार कार्यवाही को रोकना भी पड़ जाता था। ऑनलाइन ई-चालान सिस्टम में न केवल नगर निवेश और स्वास्थ्य की टीम बल्कि निगम के सभी कर्मचारी अधिकारी को जोड़ा गया है जो कहीं और कभी भी इन नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर ही चालानी कार्यवाही कर सकते हैं। इसके लिए निगम के अधिकारी और कर्मचारियों को ई-चालान सिस्टम हेतु तैयार मोबाइल एप्लीकेशन में खुद का रजिस्ट्रेशन करना होगा। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर मौके पर फोटो लेकर, स्थल का जियो टैगिंग करते हुए ई-चालान की कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही जुर्माने राशि की गणना नियमानुसार सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जायेगा।

इस दौरान मौके पर भुगतान की सुविधा नागरिकों को दी जाएगी। नागरिक पॉस मशीन से कैश अथवा यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन चालान का भुगतान कर सकते हैं। यदि भुगतान मौके पर नहीं किया जाता है तो संबंधित संपत्ति के आईडी पर बकाया के रूप में चालान की राशि ऑनलाइन एसएमएस और ईमेल के माध्यम से भेजी जाएगी। ऑनलाइन चालान में चालान की राशि का ब्यौरा और पेमेंट लिंक दर्ज रहेगा। ई-चालान सिस्टम के द्वारा अधिरोपित जुर्माना राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर भविष्य में उस जुर्माना राशि को बकाए के साथ जोड़ा जा सकता है। चार्ट बॉट के माध्यम से भी बकाया की जानकारी संपत्ति धारक को भेजी जाएगी और नियमानुसार बकाये की वसूली की कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका निगम रायपुर के जोन क्रमांक 8 से ई-चालान सिस्टम को लॉन्च करते हुए कुल 6 चालानी कार्यवाही की गई जिसमे से 2 गन्दगी फैलाने वालों से एवं 4 भवन निर्माण सामग्री रखने वालों एवं निर्माण में नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 16,100 रुपये जुर्माने की राशि अधिरोपित की गई एवं मौके पर ही 7100 रुपये जुर्माने की राशि पॉस मशीन के द्वारा डिजिटल पेमेंट के रूप में प्राप्त किया गया।

3 दिवसीय गायत्री महायज्ञ के पूर्णाहुति में लिया बुराई छोड़ने का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बोरियाखुर्द रायपुर में 29 नवंबर से चल रहे तीन दिवसीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति तीसरे दिन रविवार को हुई। श्रद्धालुजनों ने पूर्णाहुति में देवदक्षिणा स्वरूप अपने जीवन की एक-एक बुराई को छोड़ने जीवन में एक-एक अच्छे कार्य करने का संकल्प लिया। सैकड़ों लोगों ने नशा छोडने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे प्रतिनिधि सुखदेव निर्मलकर एवं गायत्री परिवार छत्तीसगढ़ की जोन समन्वयक श्रीमती आदर्श वर्मा ने देवमंच से कहा कि केवल स्वाहा करने से यज्ञ पूर्ण नहीं होगा। हमें अपने जीवन में त्याग, परोपकार और सेवा को भी स्थान देना होगा, तभी यज्ञ पूर्ण होगा।

आयोजक ऋषि साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज व्यक्ति स्वार्थ में डूबा हुआ है और केवल अपने हित की सोचता है। ज्यादा सुखी होने के स्थान पर और दुखी हो गया। इसका एकमात्र समाधान है कि हम प्रेम, सद्भावना, सदविवेक, सदाचार को अपने जीवन में स्थान दें। तभी हम सुख शांति से जीवन जी सकते हैं । गायत्री परिवार के जिला समन्वयक लच्छूराम निषाद एवं कार्यक्रम संयोजक श्री मोहनलाल साहू ने बताया कि पूर्णाहुति के पूर्व यज्ञ में 2 मुंडन संस्कार, 10 दीक्षा संस्कार, 3 नामकरण संस्कार, 4 पुंसवन संस्कार और 3 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार 4 का जन्मदिवस कराया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से गायत्री परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्याम बैस, सदाशिव हथमल, सुखदेव देवांगन, सी.पी. साहू, रामकृष्ण साहू, प्रज्ञा प्रकाश निगम, हरिराम साहू, जितेंद्र धुरंधर, डॉ. घनश्याम पटेल, श्रीमती कृष्णा गजेंद्र, श्रीमती अनोखी निषाद, श्रीमती पूर्णिमा कश्यप सहित अनेक क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

दादागुरुदेव की बड़ी पूजा कर की मंगल प्रार्थना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आचार्य जिनमणिप्रभ सूरीश्वर द्वारा प्रतिष्ठित जिनकुशल सूरि जैन दादाबाड़ी भैरव सोसायटी में अमावस्या के पावन अवसर पर दादागुरुदेव की बड़ी पूजा कर छत्तीसगढ़ की जनता के लिए असाध्य रोगों से मुक्ति व स्वास्थ्य समृद्धि हेतु मंगल प्रार्थना की गई।

उक्ताशय की जानकारी सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष सन्तोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने दी। सर्वप्रथम चारों दादागुरुदेव की वेदी प्रतिमाओं के सम्मुख अष्ट प्रकारी पूजा का विधान किया गया। अध्यक्ष सन्तोष बैद, वर्धमान चोपड़ा, दीप्ती बैद, ममता पारख, शैला बरड़िया, प्रकाश पारख, अशोक कोचर द्वारा बड़ी पूजा विधान सम्पन्न हुआ। महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि कुशल नाम है कितना प्यारा, जन जन की आंखों का तारा, जब कोई नही आता मेरे दादा आते हैं, मेरे दु:ख के दिनों में वो बड़े काम आते हैं। भजनों से वातावरण गुरुभक्ति में सराबोर हो गया।

ट्रस्टी नीलेश गोलछा व डॉ योगेश बंगानी ने बताया कि रविवारीय शिविर में सैकड़ों बच्चों ने नवांगी पूजा व दादागुरुदेव की अष्टप्रकारी पूजा में भाग लिया। बच्चों को वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा की ओर से प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी में आज अमावस्या को दादागुरुदेव की बड़ी पूजा के लाभार्थी तरुण कुमार मोहित कोचर, अशोक अरुणा कोठारी, मोहन लाल मनीष नमन पगारिया, मनोहर लाल पुगलिया, मंजू महेन्द्र कोठारी, जयचंद रमेश, मोहन चंद बच्छावत, दिनेश कुमार जैन, बसंत जितेन्द्र नाहर, नीलमचंद डॉ. अंशुल बरड़िया, वर्तिका वर्धमान वैभव चोपड़ा, गुमान चंद कांतिलाल झाबक, संतोष सरला बैद, हर्षद सेठ, वीरेन्द्र श्रेयांस पारख परिवार हैं।

आगम सागर महाराज का ससंघ राजधानी में हुआ मंगल प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आचार्य विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य आध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणी, वितरागी श्रमण संस्कृति के आध्यात्मिक सद्गुरु आगम सागर महामुनि राज, पुनीत सागर महामुनिराज व ऐलक धैर्य सागर महामुनिराज का भव्य मंगल प्रवेश डोंगरगढ़ से राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, चरोदा, कुम्हारी से राजधानी रायपुर में हुआ। महाराज के यहां मंगल प्रवेश से सकल जैन समाज में उल्लास छा गया।

आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मालवीय रोड के पूर्व अध्यक्ष संजय जैन नायक,पूर्व सचिव राजेश रज्जन जैन एवं पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने संयुक्त रूप से बताया की 108 आगम सागर महाराज का ससंघ भव्य चतुर्मास इस वर्ष छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव शहर में हुआ था। चातुर्मास समाप्ति के पश्चात 108 आगम सागर महाराज का विहार डोंगरगढ़ स्थित तीर्थ चंद्रगिरी की ओर हुआ जहा विश्व वंदनीय महान संत आचार्य विद्यासागर महाराज की समाधि के दर्शन कर सीधे रायपुर राजधानी की ओर विहार कर अपना मंगल आशीर्वाद एवं सानिध्य रायपुर वासियों को दे रहे है। आज प्रात: सुबह 8 बजे कुम्हारी स्थित कुम्हारी फार्म हाउस पहुंचने के पूर्व विहार कर रहे जैन समाज के साधु एवं माता का मंगल मिलन भी हुआ जाना सभी ने रुक कर आगम सागर महाराज का आशीर्वाद लिया। कुम्हारी स्थित फार्म हाउस पहुंच कर उपस्थित सभी ने सामूहिक आचार्य पूजन किया। तत्पश्चात महाराज की आहारचर्या संपन्न हुई।

दोपहर 1 बजे महाराज विहार कर शाम 5 बजे मालवीय रोड स्थित दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) पहुचे वहा संध्या कालीन प्रवचन में 108 आगम सागर महाराज ने बताया कि आचार्य श्री अपने जीवन को लोहे कि तरह जिया। जीवन भर किसी भी सहारे में नहीं रहे। अपने अन्तिम समय में भी वो अपने सभी नियमों का पालन करते रहे। उनकी कृपा से छतीसगढ़ के डोंगरगढ़ में चंद्र गिरी का विशाल तीर्थ बन रहा है।यहां तीर्थ थे नहीं ।आज भारत के साथ साथ विदेशों ने भी छत्तीसगढ़ की विशेष पहचान बन गई है। आचार्य श्री इस धरती के ऐसे संत थे जो ख्याति पूजा लाभ से हमेशा दूर रहे। उन्होंने कभी किसी भी धर्म उनके गुरु किसी व्यक्ति को कभी कुछ नहीं कहा। वो स्वयं कम बोलते थे हमेशा उनके काम बोलता था। आज जिस स्थान पर उनकी समाधि है वह छत्तीसगढ़ मै रायपुर के निकट है ये रायपुर वासियों के लिए सौभाग्य की बात है। उनके प्रथम समाधि दिवस के उपलक्ष्य पर 1008 सिद्ध चक्र महा मंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है जिस पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में धर्म प्रेमी बन्धुओ को भाग लेना चाहिए। साथ ही आचार्य श्री ने राजधानी के आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर को लघु तीर्थ बनाने का को मंगल आशीर्वाद दिया है उसे भी जल्द से जल्द पूरा किया जायेगा। इस अवसर पर समस्त दिगम्बर जैन समाज के समाज जन, महिला मंडल उपस्थित थे।

पीरियड्स के दौरान स्विमिंग करने से इंफेक्शन का होता है खतरा?

क्या आपको बताया गया है कि मासिक धर्म के दौरान तैरना सुरक्षित नहीं है? अगर ऐसा है, तो आपको गलत जानकारी दी गई है। मासिक धर्म के दौरान तैरना आपके लिए बिल्कुल ठीक है। मासिक धर्म के दौरान आप लगभग हर वो काम कर सकती हैं जो आप महीने के बाकी समय में करती हैं। और हां, इसमें तैराकी से लेकर सेक्स तक सभी गतिविधियां शामिल हैं।

तैराकी के लिए मासिक धर्म उत्पादों के लिए आपका सबसे अच्छा विकल्प या तो टैम्पोन या मासिक धर्म कप है। पैड काम नहीं करते क्योंकि वे गीले होने के बाद आपके मासिक धर्म प्रवाह को अवशोषित नहीं कर सकते। आपके स्विमवियर पर दिखाई देने वाले दाग पड़ सकते हैं, और आपका कुछ प्रवाह पानी में लीक हो जाएगा।

तैराकी के लिए टैम्पोन का उपयोग करते समय, आपको उच्च अवशोषण क्षमता वाले टैम्पोन की आवश्यकता हो सकती है। कुछ पानी टैम्पोन द्वारा अवशोषित हो जाएगा, जिससे यह थोड़ा फूल जाएगा और आपके प्रवाह के लिए कम अवशोषण क्षमता होगी। आपको लग सकता है कि आपको अपना टैम्पोन अधिक बार बदलना होगा।

पीरियड्स को लेकर ऐसे मिथ जो समाज में है

यह एक आम मिथक है कि पीरियड्स के दौरान समुद्र में तैरने से शार्क एट्रैक्ट होते हैं। वास्तव इस बात के कोई सबूत नहीं है। इंटरनेशनल शार्क अटैक फाइल के अनुसार, आप मासिक धर्म के दौरान भी सुरक्षित रूप से स्कूबा डाइव कर सकती हैं। द शार्क रिसर्च इंस्टीट्यूट की संस्थापक और कार्यकारी निदेशक मैरी लेविन कहती हैं कि इसमें कोई समस्या नहीं हुई। उन्होंने मदर जोन्स से कहा,मैं दशकों से गोताखोरी कर रही हूं और यहां तक कि हैमरहेड्स के झुंड के साथ पानी के नीचे रहते हुए भी मेरा पीरियड्स हुआ - शार्क को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। तो आप समझ ही गए होंगे कि शार्क को इस बात की परवाह नहीं है कि आप पीरियड्स के दौरान हैं या नहीं।

क्या मासिक धर्म के दौरान तैरना अनहेल्दी है?

धर्म के दौरान स्वच्छता को लेकर चिंताएं आम बात हैं। स्विमिंग पूल में क्लोरीन मौजूद होते हैं। क्लोरीन बैक्टीरिया और अन्य रोगाणुओं के विकास को रोकता है। लेकिन पीरियड्स के दौरान थोड़ी दिक्कत हो सकती है।

पीरियड्स के दौरान स्विमिंग करने से इंफेक्शन का खतरा काफी ज्यादा होता है?

एक रिसर्च के मुताबिक पीरियड्स के दौरान तैरने से इंफेक्शन होने का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इसके कारण दस्त, उल्टी, फ्लू जैसे लक्षण और खांसी या भीड़भाड़ जैसी जगहों में जाने से बचना चाहिए क्योंकि इससे सांस संबंधी समस्याएं हो सकती है। पीरियड्स के दौरान काफी ज्यादा देर तक पानी में रहने के कारण खुजली, जलन और यीस्ट जैसे इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। तैर सकते हैं लेकिन ज्यादा देर तक नहीं तैरना चाहिए।

क्या तैराकी करते समय टैम्पोन का इस्तेमाल कर सकते हैं

जब आप अपने पीरियड्स में हों और आप तैराकी करना चाहती हों, तो टैम्पोन एक बेहतरीन विकल्प है। पानी में उतरने से पहले टैम्पोन डालना सुनिश्चित करें ताकि यह पानी के बजाय मासिक धर्म के रक्त को सोख सके। जब आप पानी से बाहर निकलें, तो आराम और स्वच्छता के लिए टैम्पोन को एक नए से बदल दें क्योंकि कभी-कभी टैम्पोन कुछ पूल या समुद्री पानी को सोख सकता है। कई लोगों के लिए, टैम्पोन का उपयोग करना एक विकल्प नहीं हो सकता है।

सूर्या 44 में डांस नंबर करती दिखेंगी श्रिया सरन, गाने की रिलीज पर दिया बड़ा अपडेट

श्रिया सरन को आखिरी बार 2024 की हिंदी वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया था। अभिनेत्री के वर्कफ्रंट को लेकर चर्चा जोरो पर है। बीते दिनों खबरें थीं कि श्रिया फिल्म निर्माता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित अस्थायी शीर्षक वाली फिल्म सूर्या 44 से जुड़ गई हैं। वहीं, अब इन रिपोर्ट्स पर खुद अभिनेत्री ने पक्की मुहर लगा दी है। साथ ही अपने बयान से प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाती नजर आई हैं।

अभिनेत्री श्रिया सरन ने हाल ही में कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक गैंगस्टर ड्रामा सूर्या 44 में स्पेशल डांस नंबर में अपनी भागीदारी की पुष्टि की। गोवा में 55वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने खुलासा किया, मैंने सूर्या सर की फिल्म में एक गाना शूट किया है। इसे शूट करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। मुझे लगता है कि गाना दिसंबर में आ रहा है।

गोवा में एक विशेष रूप से निर्मित सेट पर फिल्माया गया यह गाना श्रिया की सुंदरता और ऊर्जा को उजागर करते हुए एक शानदार विजुअल ट्रीट देने का वादा करता है। इस डांस नंबर में सूर्या भी हैं। यह गाना निश्चित रूप से फिल्म के मुख्य आकर्षण में से एक होगा। श्रिया ने अपने आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर भी बात करते हुए कहा, मैं एक आगामी पैन-इंडिया प्रोजेक्ट पर काम कर रही हूं, और शूटिंग तीन दिनों में शुरू होगी। हालांकि, उन्होंने फिल्म के बारे में अधिक जानकारी देने से परहेज किया।

सूर्या 44 के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्मांकन पूरा किया है। फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। फिल्म में पूजा हेगड़े भी हैं और इसमें जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण सहित कई शानदार सहायक कलाकार हैं। 10 अप्रैल, 2025 को भव्य रिलीज के लिए तैयार, फिल्म में संतोष नारायणन का संगीत और शफीक मोहम्मद अली का संपादन है। यह सूर्या की 2डी एंटरटेनमेंट और कार्तिक सुब्बाराज की स्टोन बेंच फिल्म्स द्वारा सह-निर्मित है।

मलाइका ने बिखेरा हुस्न का जलवा, खुली जुल्फों में देखें स्टाइलिश फोटोज

मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के चलते सोशल मीडिया पर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने बेहद ही स्टाइलिश फोटोशूट करवाया है। इस दौरान उन्होंने रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 50 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आज भी अपनी खूबसूरती से यंग गर्ल्स को इंस्पायर करती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट स्टाइलिश फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइक अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। मलाइका अरोड़ा भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

क्या साथ में छुट्टियां मना रहे अर्जुन बाजवा और सारा? सोशल मीडिया पोस्ट से फिर मिली अफेयर को हवा

सारा अली खान इन दिनों राजस्थान की सैर पर निकली हैं। अभिनेत्री इंस्टाग्राम पर लगातार फैंस के साथ अपनी यात्रा की झलकियां साझा कर रही हैं। सारा के पोस्ट पर यूजर्स दिलचस्प प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सारा अली की राजस्थान ट्रिप के बीच एक बार फिर उनके और अर्जुन बाजवा के कथित अफेयर की खबरें सामने आने लगी हैं। दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इनकी डेटिंग की खबरों को हवा मिली है।

क्यों लगाए जा रहे डेटिंग के कयास

सारा अली खान इंस्टाग्राम पर लगातार राजस्थान से अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा कर रही हैं। इस बीच मॉडल अर्जुन बाजवा ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। हालांकि, दोनों की सोशल मीडिया पोस्ट में वे कहीं भी एक-दूसरे के साथ नजर नहीं आ रहे हैं। लेकिन, दोनों की तस्वीरें ऐसी हैं कि फैंस अटकलें लगा रहे हैं। सारा अली खान जिस होटल में ठहरी हैं, वहां से उन्होंने राजस्थान की खूबसूरत लोकेशन की तस्वीरें क्लिक करके पोस्ट की हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट ने दी अफेयर को हवा

बात करें अर्जुन बाजवा की तो उन्होंने अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वे जिम में वर्कआउट करते दिख रहे हैं। वे एक होटल के जिम में वर्कआउट कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने इसी बात पर गौर किया है। कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों साथ में घूमने निकले हैं। सारा और अर्जुन को पहले भी साथ में एक ही लोकेशन पर देखा जा चुका है। दरअसल, दोनों एक ही समय केदारनाथ की यात्रा पर गए थे। अब फैंस दावा कर रहे हैं कि शायद राजस्थान भी शायद दोनों साथ घूमने निकले हैं।

केदारनाथ यात्रा पर गए थे साथ

सारा और अर्जुन बाजवा के अफेयर की खबरें इसी साल अक्तूबर में सामने आईं। दिवाली के आसपास सारा अली खान केदारनाथ यात्रा पर गईं। इसी दौरान अर्जुन बाजवा भी बाबा केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे और उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीरें भी साझा कीं। यहीं से दोनों के अफेयर की खबरें शुरू हुईं। अब एक बार फिर इन्हें हवा मिलती दिख रही है।

कौन हैं अर्जुन बाजवा?

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा अली खान कई फिल्मों में अपने अभिनय का कमाल दिखा चुकी हैं। वहीं, अर्जुन बाजवा भी एक चर्चित मॉडल और एक्टर हैं। कई बड़े डिजाइनर्स के लिए वे रैंप वॉक कर चुके हैं। उन्होंने सिंह इज ब्लिंग सहित कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट भी काम किया है।

दुआ लीपा के साथ मस्ती के मूड में नजर आईं महेश बाबू की बेटी और पत्नी

ग्रैमी पुरस्कार विजेता सिंगर दुआ लीपा ने 30 नवंबर को मुंबई के एमएमआरडीए ग्राउंड्स में अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महेश बाबू की पत्नी नम्रता शिरोडकर और उनकी बेटी सितारा घट्टामनेनी भी इस यादगार रात का हिस्सा बनीं। दोनों ने दुआ लीपा के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिससे यह साफ हो गया कि कॉन्सर्ट का आनंद लेने के बाद उन्हें पॉप आइकन से मिलने का मौका भी मिला।

नम्रता ने साझा की इंस्टा स्टोरी

नम्रता शिरोडकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर दो तस्वीरों का कोलाज साझा किया, जिसमें वह अपने बेटी सितारा और उनके कुछ दोस्त दुआ लीपा के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। सितारा शिमरी ऑफ-शोल्डर ड्रेस में काफी खूबसूरत दिख रही थीं। वहीं, नम्रता ने ब्लैक को-ऑर्ड सेट और नेवी ब्लू जैकेट पहनी थी।

लीपा के साथ बेहद खुश दिखीं सितारा

वहीं, सितारा ने दुआ लिपा के साथ कुछ सेल्फी शेयर की, जिसमें वह बेहद खुश दिख रही थीं। सितारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी वही तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, मैं अभी भी चीख रही हूं। सितारा की यह पोस्ट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि उन्होंने कॉन्सर्ट का पूरा लुत्फ उठाया।

मुंबई में शानदार रहा लीपा का कॉन्सर्ट

दुआ लीपा के मुंबई कॉन्सर्ट के वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। उन्होंने अपने हिट गानों के साथ-साथ शाहरुख खान की फिल्म 'बादशाह' के गाने लेविटेटिंग वो लड़की जो का भी म्यूजिक मैशअप पेश किया, जिसने फैंस को दीवाना बना दिया। इस वीडियो को शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान ने भी देखा और अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए दिल वाले और डांस करती महिला के इमोजी साझा किए।

ये सितारे भी आए नजर

कॉन्सर्ट में नम्रता शिरोडकर और सितारा के अलावा अभिनेता रणवीर शौरी, उनके बेटे हारून, नेहा शर्मा, आयशा शर्मा और कई अन्य सेलिब्रिटी भी उपस्थित थे। इससे पहले, दुआ लिपा को मुंबई में अपने प्रेमी कैलम टर्नर के साथ डिनर करते हुए भी स्पॉट किया गया था।

सर्दियों में तमाम लोग नहाते हुए करते हैं ये गलती, डैंड्रफ की है सबसे बड़ी वजह

हर दिन नहाना लाइफस्टाइल से जुड़ी एक आदत है। जब तक आप गंदे या पसीने से तर न हो तब तक नहाने की कोई खास जरूरत है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक नहाने से आपकी त्वचा से हेल्दी ऑयल और बैक्टीरिया निकल जाते हैं। इसलिए ज्यादा नहीं नहाना चाहिए। बार-बार नहाने से आपकी त्वचा रूखी और खुजलीदार हो सकती है और खराब बैक्टीरिया फटी त्वचा के जरिए आपके शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। जब आप अपने शरीर को सामान्य गंदगी और बैक्टीरिया के संपर्क में लाते हैं। तो यह वास्तव में आपकी इम्युनिटी प्रणाली को मज़बूत करने में मदद करता है।

नहाते वक्त ये गलती भूल से भी न करें

एंटीबैक्टीरियल साबुन बहुत ज़्यादा बैक्टीरिया को मार सकते हैं। जिसमें अच्छे किस्म के बैक्टीरिया भी शामिल हैं। इससे एंटीबायोटिक के प्रति प्रतिरोधी खराब बैक्टीरिया त्वचा में प्रवेश कर सकते हैं। कठोर साबुन आपकी त्वचा को रूखा कर सकते हैं। इसलिए अतिरिक्त तेल वाले हल्के साबुन, सौम्य क्लींजर या मॉइस्चराइज़र वाले शॉवर जेल का इस्तेमाल करें। अगर आपको एक्जिमा या संवेदनशील त्वचा है। तो सुगंधित साबुन आपकी त्वचा को परेशान कर सकते हैं। इसके बजाय सुगंध रहित साबुन का इस्तेमाल करें।

सप्ताह में तौलिए को एक बार जरूर धोएं

नम तौलिए बैक्टीरिया, यीस्ट, फफूंद और वायरस के लिए प्रजनन स्थल होते हैं। गंदे तौलिये से नाखूनों में फंगस, जॉक खुजली, एथलीट फुट और मस्से हो सकते हैं। इससे बचने के लिए, अपने तौलिये को सप्ताह में कम से कम एक बार बदलें या धोएं और सुनिश्चित करें कि यह उपयोग के बाद सूख जाए। इसे जल्दी सूखने में मदद करने के लिए हुक से लटकाने के बजाय तौलिया बार पर फैलाकर लटकाएं। जब आप बीमार हों और अगर आपका घर नमी वाला हो। जैसे गर्मियों के दौरान, तो तौलिये को ज्यादा बार धोएं।

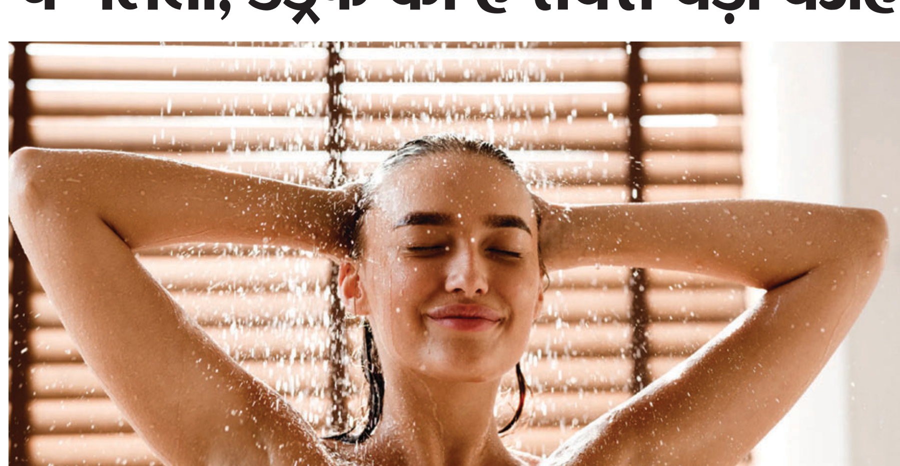

लूफा को ऐसे साफ करें

लूफा स्क्रबिंग के लिए बहुत बढ़िया होते हैं। लेकिन उनके कोने कीटाणुओं के लिए एकदम सही छिपने की जगह होते हैं। आपको अपने लूफा को हर हफ्ते पांच मिनट के लिए पतला ब्लीच में भिगोकर और अच्छी तरह धोकर साफ करना चाहिए। हालांकि अपने लूफा को शॉवर में रखना सुविधाजनक है। लेकिन इसे हिलाकर किसी ठंडी जगह पर टांग देना ज़्यादा सुरक्षित है जहां यह जल्दी सूख जाएगा । आपको प्राकृतिक लूफा को कम से कम हर 3 से 4 हफ्ते में और प्लास्टिक वाले को हर 2 महीने में बदलना चाहिए।

सीएम साय की बड़ी घोषणा

गौशालाओं में मवेशियों में दी जाने वाली अनुदान राशि में की 40 फीसदी बढ़ोत्तरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गौशालाओं में मवेशियों को दी जाने वाली अनुदान राशि में 40 फीसदी की वृद्धि कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल के पदभार ग्रहण समारोह में यह महत्वपूर्ण घोषणा की है।

सीएम साय ने गौशालाओं को प्रति मवेशी दी जाने वाली अनुदान की राशि 25 रुपए से बढ़ा कर 35 रुपए करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई जिम्मेदारी मिलने पर छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष विशेषर पटेल को बधाई और शुभकामनाएं दीं और उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगाए गए गौ-उत्पादों के स्टालों का अवलोकन भी किया। समारोह में उपमुख्यमंत्री अरूण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गौ माता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ में जनजागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है। गौ माता हमारी समृद्धि का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि गौ माता में 33 कोटि देवी देवताओं का वास होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ अभ्यारण्य को गौ-धाम कहना उचित होगा। राज्य सरकार द्वारा जगह जगह गौ-धाम बनाने का निर्णय किया गया है। बेमेतरा जिले के झालम में 50 एकड़ में गौ-धाम बनकर तैयार है, जल्द ही इसका उदघाटन किया जाएगा। इसी तरह कवर्धा जिले में 120 एकड़ में गौ-धाम बनाने का काम तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने और छत्तीसगढ़ के देवभोग ब्रांड को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास होगा कि गौ माता सुरक्षित रहें। गौ तस्करी और गौ हत्या पर पाबंदी लगाने के लिए सख्ती से कदम उठाए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि गौ -माता हमारी कृषि अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए आवश्यक है कि हम गौ -माता के लिए अपने घर में जगह बनाएं, गौ ङ्क पालन करें। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विष्णु का सुशासन है। पीएससी घोटाले और भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफसख्त करवाई की जा रही है। राज्य सरकार गुजरात के अमूल की तर्ज पर पशुपालन को समाज और परिवार की आर्थिक तरक्की का जरिया बनाएगी।

छत्तीसगढ़ राज्य गौ सेवा आयोग के नव नियुक्त अध्यक्ष विशेषर सिंह पटेल ने आयोग के कार्यों और भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, संत राम बालक दास, संतराजीव लोचन जी महाराज, आचार्य राकेश, दीदी प्रज्ञा भारती, साध्वी गिरिजेश नंदिनी, पवन साय, रामप्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज, राज्य गौ सेवा आयोग के रजिस्ट्रार डॉ समीर शर्मा भी उपस्थित थे।

पीएससी टॉपर आस्था शर्मा ने जताया सीएम साय का आभार, बोलीं-

मुख्यमंत्री से मिलना हमारे लिए गौरव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में तीसरा रैंक पाने वाली सुश्री आस्था शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से हुई आत्मीय मुलाकात के बाद उनका आभार जताया है। उन्होंने एक पंक्ति के माध्यम से कहा कि मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक, पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक। मुखिया का स्वभाव मुख के समान होना चाहिए। जैसे मुख शरीर के सभी अंगो का पालन -पोषण करता है। उसी प्रकार मुखिया को भी विवेकपूर्वक अपने परिवार का पालन पोषण करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2023 की परीक्षा में चयनित टॉपर्स को अपने निवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया। आस्था शर्मा ने कहा कि हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हमारे प्रदेश के मुखिया ऐसे ही हैं, जो सभी की समान रूप से चिंता करते है। उन्होंने अभ्यर्थियों की चिंता की, हम सभी को प्रोत्साहित किया और हमें सम्मानित भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आस्था को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा के प्रदेश के बेटे-बेटियों से किया वादा हमने निभाया है। सुश्री आस्था ने परीक्षा के दौरान आने वाली चुनौतियों और उतार-चढ़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से हम सभी अभ्यर्थियों के मन में शंका थी कि पीएससी परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए या नहीं। लेकिन इस साल परीक्षा की पूरी प्रक्रिया जिस पारदर्शिता के साथ हुई, उससे हम सभी को हौसला मिला। आस्था ने मुख्यमंत्री निवास बुलाकर सम्मानित करने और सभी अभ्यर्थियों के प्रोत्साहन के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

युवाओं को अपने विचार विश्व के सामने प्रस्तुत करने चाहिए - डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज राजभवन में नेहरू युवा केंद्र संगठन के राज्य निर्देशक श्री अतुल निकम ने मुलाकात कर राज्यपाल को विकसित भारत चौलेंज के संबंध में जानकारी दी।

राज्यपाल रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ के युवाओं से विकसित भारत चैलेंज में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह युवाओं के लिए अवसर है कि वे अपने विचारों को विश्व के बदलावकर्ताओं के सामने प्रस्तुत कर और भारत के विकास यात्रा में सार्थक योगदान देन सकते है।

उल्लेखीय है कि विकसित भारत चौलेंज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पहल पर केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के नेतृत्व में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं को अपनी रचनात्मकता और नवाचार के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है। यह बहु-चरणीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता युवाओं को अपने विचार और दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का एक अनूठा मंच प्रदान करती है।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी श्री अर्पित तिवारी भी उपस्थित थे।

मानव सेवा सबसे सर्वोत्तम कार्य है : राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका शकुंतला गोपाल फाउंडेशन द्वारा असहाय, लावारिस एवं बीमार व्यक्तियों की देखभाल के लिए बनाए गये अपना घर आश्रम गोढ़ी पहुंचे। उन्होंने आश्रम का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और वहां रह रहे लोगों से रूबरू हुए। राज्यपाल ने अपने स्वेच्छानुदान मद से 1 लाख रूपए आश्रम के लिए प्रदान किये।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि मानव की सेवा सबसे सर्वोत्तम कार्य है। उन्होंने संस्था के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां आकर उन्हें बहुत खुशी हो रही है।

आप लोग जो काम कर रहे है वह निस्वार्थ सेवा है। उन्होंने आश्रम के कार्यो में आ रही कठिनाईयों को दूर करने के लिए शासन स्तर पर पहल करने की बात कही। आश्रम में रह रहे लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि वे सभी समाज का एक हिस्सा है। कल क्या हुआ और कल क्या होगा इसकी चिंता छोड़कर कर खुश रहिये। हमारे देश की परंपरा है कि जो अंतिम पंक्ति पर बैठा हुआ है, उसकी मदद के लिए भी लोग सामने आते है। अनुशासन के साथ रहते हुए आश्रम के नियमों का पालन करे और एक-दूसरे की मदद करें।

उन्होंने आश्रम के लिए जरूरत के अनुसार सहयोग करने की बात कही। स्वागत भाषण के दौरान अपना घर आश्रम के संस्थापक गोपाल प्रसाद अग्रवाल ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़कों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन आदि स्थानों में घुमने वाले लावारिस, असहाय, बीमार व्यक्तियों को आश्रम में लाकर उनकी देखभाल की जाती है। स्थापना से लेकर अब तक आश्रम में 260 लोगों का पुर्नवास किया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने आश्रम में नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए रिम्स अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. के. के. वाधवा को सम्मानित किया। उन्होंने संस्था परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर शकुंतला गोपाल फाउंडेशन की चेयरमेन श्रीमती शकुंतला अग्रवाल, श्री सुधीर सुल्तानिया सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी तथा वहां निवास कर रहे प्रभुजन उपस्थित थे।

श्री रामलला दर्शन के लिए बिलासपुर संभाग से रवाना हुए 836 श्रद्धालु, भक्तों ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत आज बिलासपुर संभाग से 836 श्रद्धालुओं को लेकर आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री धर्मलाल कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरुण सिंह चौहान ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री रामलला दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह था। श्रद्धालुओं का बिलासपुर स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान जय श्रीराम के जयकारों से स्टेशन परिसर राममय हो गया। अयोध्या धाम की यात्रा की शानदार व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आभार जताया।

करगी रोड कोटा निवासी श्रीमती विमला सोनी और रायगढ़ के विजय कुमार पटेल ने कहा कि सरकार की इस योजना से हम जैसे गरीब परिवार के लोगों को भी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की इस योजना से राम लला के दर्शन का सौभाग्य मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आभार जताया। बिल्हा निवासी श्री बिलउ कौशिक श्री राम लला दर्शन को लेकर बेहद उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हम आभारी हैं जिनके माध्यम से सभी को अयोध्या और काशी विश्वनाथ दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। मसानगंज निवासी वंदना चिड़िमाल ने भावुक होकर कहा कि अयोध्या दर्शन के लिए जाना उनके लिए बड़े सौभाग्य की बात है। ट्रेन में सरकार ने सारे इंतजाम किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत शासन द्वारा श्रद्धालुओं को नि:शुल्क यात्रा पर ले जाने के साथ ही उनके खान-पान सहित सभी सुविधाएं सरकार द्वारा की जाती है।

उपार्जन केन्द्रों में माइक्रो एटीएम की सुविधा से प्रसन्न है किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की चाक-चौबन्ध व्यवस्था से किसानों को न सिर्फ धान बेचना आसान हो गया है बल्कि किसानों के लिए धान बेचने के बाद पैसा निकालना भी आसान हो गया है। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते राज्य के किसानों को प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। छत्तीसगढ़ देश का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां किसानों को एक क्विंटल धान का सर्वाधिक 3100 रूपए मूल्य प्राप्त हो रहा है।

धान बेचने के तुरंत बाद उपार्जन केन्द्र एवं समिति से माइक्रो एटीएम के माध्यम से पैसा निकाल पाने की सुविधा से उनकी खुशियां दोगुनी हो गयी है। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा कई इंतजाम किए गए है, इन्हीं सुविधाओं में माइक्रो एटीएम की सुविधा भी शामिल है।

माइक्रो एटीएम के जरिए किसान खरीदी केन्द्र में ही 10 हजार तक नगद राशि निकाल सकते हैं। इस सुविधा से किसान प्रसन्न है। चिल्हाटी के श्री राकेश कुर्रे ने मोपका धान खरीदी केन्द्र में 62.80 क्विंटल धान बेचा और केन्द्र में ही माइक्रो एटीएम के जरिए 1 हजार रूपए नगद निकाला। उन्होंने बताया कि यह सुविधा किसानों की तत्कालिक जरूरत को पूरा कर रही है। अब किसानों को एटीएम अथवा बैंक का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। वह खरीदी केन्द्र के माइक्रो एटीएम से पैसा निकालकर धान परिवहन के लिए किराए पर लाए गए मेटाडोर, ट्रेक्टर, छोटा हाथी का भाड़ा और हमालों की मजदूरी तुरंत दे सकते हैं। किसानों को इसके लिए अब न किसी से राशि उधार लेने की जरूरत पड़ रही है और न ही बैंको का चक्कर लगाना पड़ रहा है। श्री कुर्रे ने बताया कि माइक्रो एटीएम का उपयोग बहुत ही आसान है।

जीएसटी परिषद की नई दिल्ली में बैठक छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ने रखे अहम सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीएसटी परिषद की बैठक में वस्तु एवं सेवा कर के तहत क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर गहन चर्चा हुई। यह बैठक नई दिल्ली के मध्य प्रदेश भवन में आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री की अध्यक्षता में विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। उन्होंने ने परिषद के समक्ष कई अहम सुझाव रखे। इस दौरान वित्त सचिव मुकेश बंसल भी उपस्थित थे।

जीएसटी परिषद के मंत्री समूह में असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के सदस्य शामिल हैं। यह समूह जीएसटी प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने के लिए सुझाव देगा। जीएसटी परिषद, जो देश में अप्रत्यक्ष कराधान के समन्वय और एकरूपता के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय है, इस विषय पर अंतिम निर्णय लेगी।

जल जीवन मिशन से महिलाओं के जीवन में आया बदलाव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन ने बदल दी ग्राम चिरपोटी की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दुर्ग जिले के ग्राम चिरपोटी में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाने की पहल ने ग्रामीणों के जीवन में बड़ा बदलाव ला दिया है। पहले पानी की किल्लत से जूझ रहे इस गांव में महिलाओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब हर घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचने लगा है। इस योजना ने न केवल पानी की समस्या का समाधान किया, बल्कि गांव की महिलाओं के जीवन को भी पूरी तरह बदल दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2019 में जल जीवन मिशन की शुरुआत के बाद चिरपोटी गांव में पाइपलाइन बिछाकर हर घर में नल कनेक्शन प्रदान किया गया। इसके तहत गांव की 450 से अधिक आबादी को स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। गांव की कुलेश्वरी साहू, जो 28 वर्ष की हैं, ने अपनी गर्भावस्था के दौरान पानी लाने में होने वाली कठिनाइयों को साझा करते हुए कहा, एक गर्भवती महिला के लिए दूर से पानी लाना बेहद मुश्किल होता था। मेरे छोटे बेटे को मेरी मदद करनी पड़ती थी। इससे हमारा स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा था। घर में नल की सुविधा मिलने से हमारी यह समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। हमारा पूरा परिवार अब इस सुविधा से खुश है।

इसी गांव की 50 वर्षीय उर्वशी साहू, जो एक गृहिणी और जलवाहिनी सदस्य हैं, ने बताया कि जल जीवन मिशन ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उन्होंने कहा, पहले मैं केवल घर के कामों तक सीमित थी, लेकिन अब मैंने प्रशिक्षण लिया और अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। इस मिशन की वजह से मुझे दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित होने का अवसर भी मिला, जो मेरे लिए गर्व का क्षण था। 34 वर्षीय निधृति चौहान, जो 2017 में इस गांव की बहू बनकर आईं, ने कहा, पहले मुझे पानी लाने के लिए दूर तक जाना पड़ता था, जिससे मेरा काफी समय और ऊर्जा बर्बाद होती थी। लेकिन अब जल जीवन मिशन के तहत घर में ही नल से जल की सुविधा मिलने से हमारा जीवन आसान हो गया है। इससे हमें अन्य कामों पर ध्यान देने का समय मिल रहा है।

गांव में व्यापक बदलाव

जल जीवन मिशन के तहत चिरपोटी के हर घर को नल कनेक्शन देने के बाद महिलाओं का जीवन आसान हो गया है। अब वे पानी की चिंता से मुक्त होकर परिवार और समाज के विकास में योगदान दे रही हैं।

पानी भरने के विवाद में महिला की बेरहमी से हत्या आरोपी महिला ने तड़के दिया वारदात को अंजाम

पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिला में सार्वजनिक नल से पानी भरने के विवाद में एक महिला ने दूसरी महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि पानी भरने को लेकर होने वाले आये दिन के विवाद से तंग आकर महिला ने तड़के दूसरी महिला पर पत्थर से जानलेवा हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। राजनांदगांव पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी वारदात के 48 घंटे के भीतर सुलझाने में सफलता हासिल की है।

हत्या की ये वारदात राजनांदगांव जिला के डोंगरगांव थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि 30 नवंबर की सुबह स्थानीय लोगों ने रूखमणी बाई की लहूलुहान लाश झाड़ियों के बीच देखी थी। मृतिका के बेटे ने इस घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज करायी थी। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाने के लिए मौके पर एफएस.एल. की टीम, डॉग स्कॉड और सायबर सेल की मदद ली गयी। एडिशनल एसपी राहुल देव ने बताया कि हत्या की गुत्थी को सुलझाने के लिए पुलिस टीम द्वारा सबसे पहले आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा खंगाला गया।

इसके साथ ही मुखबीरों को सक्रिय कर वारदात से जुड़े कड़ियों को पिरोने की प्रयास शुरू किया गया। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि मृतिका रूखमणी बाई साहू और भुनेश्वरी विश्वकर्मा दोनों बस स्टेण्ड के शौचालय के पास नल से पानी भरने आये थे। इस कड़ी के मिलने के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर भुनेश्वरी विश्वकर्मा को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू किया। कड़ाई से पूछताछ करने पर भुनेश्वरी विश्वकर्मा ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। महिला ने हत्या का खुलासा करते हुए बताई कि वे दोनो रोजनाना वहां पानी भरने आते थे। इस दौरान पानी भरने के को लेकर अक्सर दोनों में विवाद होता था।

जिससे भुनेश्वरी अपने आप को मानसिंक रूप से प्रताड़ित होना महसूस करती थी। इसी बात को लेकर भुनेश्वरी विश्वकर्मा ने रूखमणी बाई को रास्ते से हटाने की ठान ली। महिला ने योजनाबद्ध तरीके से हत्या करने के नियत से 30 नवंबर की तड़के साढ़े 3 बजे मृतिका रूखमणी बाई के नल के पास आने से पहले ही पहूंच गयी थी। सुबह करीब 4 बजें रूखमणी के वहां पहुंचते ही,मौका देख कर भुनेश्वरी विश्वकर्मा ने पत्थर से जानलेवा हमला कर दिया गया।

इस हमले में घायल रूखमणी वहां से भागने लगी। इस दौरान भुनेश्वरी विश्वकर्मा ने दोबारा उसे पकड़कर खींच कर नल के पीछे काम्प्लेक्स के पास घसीटकर ले गयी और पास मे रखे पत्थर से सिर मे ताबड़तोड़ हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या के इस वारदात के बाद पत्थर को वहीं पर फेंकने के बाद वह मौके से घर लौट गयी। आरोपिया के इस खुलासे के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। न्यायिक रिमांड पर पुलिस ने हत्या की आरोपी महिला को जेल भेज दिया है।

खास खबर

सिविल सर्जन सस्पेंडः महिला डॉक्टर से दुर्व्यवहार, आपत्तिजनक शब्दों का किया था इस्तेमाल

रायपुर। राज्य सरकार ने गरियाबंद के सिविल सर्जन को सस्पेंड कर दिया है। कलेक्टर की अनुशंसा पर ये कार्रवाई की गयी है। आरोप है कि सिविल सर्जन डॉ. एमके हेला ने अस्पताल की महिला डाक्टर के साथ दुर्व्यवहार किया था। सिविल सर्जन ने महिला डाक्टर के खिलाफआपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस मामले की शिकायत महिला डॉक्टर ने की थी। जिस पर कलेक्टर ने जांच टीम गठित जिला पंचायत सीईओं की अध्यक्षता में घटना की जांच का आदेश दिया गया था। जांच में सिविल सर्जन डॉ. एमके हेला द्वारा महिला डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार किये जाने की पुष्टि होने पर कलेक्टर ने सिविल सर्जन के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की थी। जिस पर एक्शन लेते हुए गरियाबंद सिविल सर्जन डॉ एमके हेला को सस्पेंड कर रायपुर में अटैच किया गाय है।

महुआ पेड़ पर चढ़ा भालू : 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी भालू को पेड़ से उतारने में नाकाम रेस्क्यू टीम

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में एक भालू 30 फीट उंचे महुआ के पेड़ पर चढ़ गया। जिसके बाद इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस टीम को दी गई। वहीं सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची टीम भालू को पेड़ से उतरने के लिए कड़ी मशक्कत कर रही है। करीब तीन घंटे से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। वहीं स्थानीय लोगों के भीड़ के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानी आ रही है। उदयपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत भवन सोनतराई का मामला है।जंगली हाथियों का उत्पातवहीं अंबिकापुर में देर रात बस्ती में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया है। इस दौरान हाथियों ने तीन मवेशियों पर भी हमला कर दिया जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इतना ही नहीं इन हाथियों ने फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है। वहीं हाथियों के इस उत्पात से ग्रामीण अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकले। हाथियों के बस्ती में घुस आने से लोगों में दहशत का माहौल है। लखनुपर वन परिक्षेत्र के ग्राम पंचायत पटकुरा के घटोंन का यह मामला है।

यातायात पुलिस ने नो पार्किंग में खड़ी वाहनों पर की कार्यवाही

दुर्ग। यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा नो पार्किग में खड़ी वाहनों पर की गई कार्यवाही। दो पहिया वाहनों को क्रेन से उठाया गया एवं तीन पहिया व चार पहिया वाहनों पर लॉक की कार्यवाही की गई। बस स्टेण्ड, इंदिरा मार्केट एवं नेशनल हाईवे सड़क में बाधा उत्पन्न करने वाले पर की गई कार्यवाही। पुलिस अधीक्षक दुर्ग, जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एवं सुश्री ऋचा मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, (यातायात) के मार्ग दर्शन तथा सतानंद विध्यराज, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के नेतृत्व में यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा सड़क दुर्घटना के मुख्य कारणों में से 01 नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्यवाही की जा रही है। दुर्ग के इंदिरा मार्केट, बस स्टेण्ड में नो पार्किंग में खड़ी दो पहिया वाहनों को क्रेन से उठाकर यातायात जोन दुर्ग लाया गया और वाहन मालिको नो पार्किंग की धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए समझाईश दी गई, साथ ही तीन पहिया एवं चार पहिया वाहनो में लॉक लगाने की कार्यवाही की गई इसी प्रकार नेशनल हाईवे में भी ऐसे ऑटो चालक जो हाईवे में मुख्य मार्ग पर वाहन खड़ा कर आवागमन बाधित कर रहे थे ऐसे वाहनों पर भी लॉक की कार्यवाही की गई।

प्रसवपीड़ा से बेहाल महिला को अस्पताल पहुंचाने वाले पुलिस कर्मी होगें सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। प्रसव पीड़ा से बेहाल एक महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले प्रधान आरक्षक मन्नू लाल ध्रुव, आरक्षक अकरम खान, आरक्षक तुलेश्वर डडसेना व आरक्षक मोहन जांगड़े को सम्मानित किया गया है। लगभग एक माह पहले ग्राम बलौदी थाना पलारी निवासी प्रसव पीड़ा से व्याकुल एक महिला को उचित इलाज के लिए बलौदाबाजार अपने परिवार सहित एक बोलेरो वाहन में लाया जा रहा थे। कि इसी बीच ग्राम सकरी के पास उक्त बोलेरो वाहन का एक्सीडेंट हो गया। इस समय प्रसव पीड़ित महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जाना अत्यंत आवश्यक था।

इस दौरान थाना सिटी कोतवाली को उक्त एक्सीडेंट की सूचना मिली। तत्पश्चात थाना सिटी कोतवाली पेट्रोलिंग टीम स्टाफ प्रधान आरक्षक मन्नू लाल ध्रुव, आरक्षक अकरम खान, आरक्षक तुलेश्वर डडसेना एवं आरक्षक मोहन जांगडे तत्काल पेट्रोलिंग वाहन के साथ घटनास्थल पहुंचे। घटनास्थल में बोलेरो वाहन का एक्सीडेंट हुआ था, जो की चलने लायक बिल्कुल नहीं था। तत्पश्चात पुलिस स्टाफद्वारा बिना समय गंवाए पेट्रोलिंग वाहन में प्रसव पीड़िता एवं उनके परिवार के सदस्यों को बैठाकर तत्काल जिला अस्पताल बलौदाबाजार लाया गया, जहां प्रसव पीड़िता का इलाज प्रारंभ किया गया तथा दूसरे दिन प्रसव पीडिता द्वारा एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया गया। अस्पताल में मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। पूरी तत्परता के साथ, प्रसव पीड़िता महिला एवं उसके परिवार की मदद कर उन्हें अस्पताल पहुंचाने के इस परोपकारी कार्य की सराहना एवं प्रशंसा करते हुए 2 दिसंबर 2024 को सायं पुलिस अधीक्षक द्वारा इन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

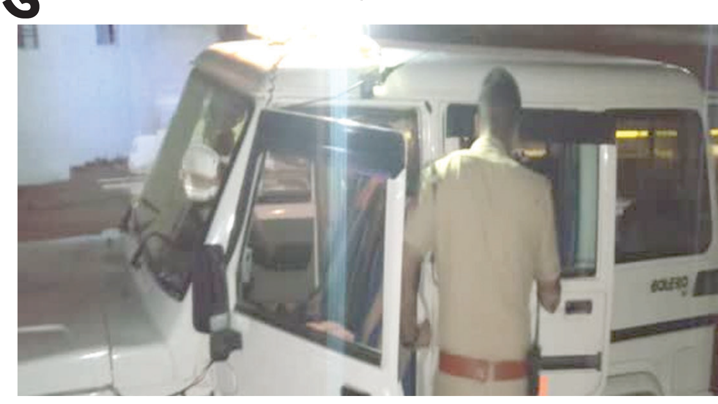

पुरस्कृत होने वाले पुलिस कर्मियों में प्रधान आरक्षक मन्नू लाल ध्रुव थाना सिटी कोतवाली, आरक्षक अकरम खान थाना सिटी कोतवाली, आरक्षक मोहन जांगड़े थाना सिटी कोतवाली, आरक्षक तुलेश्वर डडसेना थाना सिटी कोतवाली शामिल हैं।

एसएसपी संतोष सिंह ने गुणवत्तापूर्ण अपराध विवेचना कर पेंडिंग अपराध और शिकायत कम करने दिए निर्देश

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह द्वारा सिविल लाईन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में रायपुर जिले के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की बैठक लिया। अपराध समीक्षा बैठक में वर्षांत तक गुणवत्तापूर्ण अपराध विवेचना कर पेंडिंग अपराध और शिकायत कम करने के निर्देश उन्होंने दिए साथ ही पूरे जिले के फरार आरोपियों की सेंट्रलाइज्ड सूची भी मांगी गई ताकि टीमें भेज कर बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी कर अपराध कम किया जा सकें। गंभीर मामलों की विवेचना स्वयं थाना प्रभारियों को करने, साईबर संबंधी मामलों में हर संभव कार्यवाही कर पीड़ित को त्वरित राहत देने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने जोर दिया कि शिकायत सुन निराकरण तत्काल निराकरण किया जाए ताकि उन्हें वरिष्ठ कार्यालय न आना पड़े। धर्मांतरण और मवेशी तस्करी मामलों में तत्परता और कठोरता से कार्यवाही किया जाए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा छोटी-छोटी घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए अपराधों की रोकथाम एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने कानून व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए लापरवाही न बरतते हुए उस पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिये जिससे कोई भी छोटी घटना बड़ा रूप न ले सके।

शराब के लिए मां ने रुपए नहीं दिए भड़का बेटा अपने ही घर में लगा दी आग, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाना क्षेत्र में शराब के नशे में युवक ने अपने ही घर पर आग लगा दी। दरअसल उसने शराब पीने के लिए अपनी मां से रुपए मांगे तो उसने नहीं दिए। इसके बाद मां मायके चली गई तो बेटे ने घर पर आग लगा दी। छोटे बेटे ने मां को जानकारी दी तो उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद उतई पुलिस ने सोमवार को मैत्री गार्डन के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

मिली जानकारी के अनुसार उतई थाना क्षेत्र के पतोरा निवासी 39 वर्षीय लक्ष्मी श्रीवास ने करीब एक माह पहले 1 नवंबर को शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि उसका बड़ा बेटा तरूण श्रीवास रविवार को शराब के नशे में घर पहुंचा और पैसों की मांगकर परेशान करने लगा। इस पर मां ने पैसा नही होने की बात कही। ज्यादा परेशान करने पर लक्ष्मी श्रीवास अपनी मां के घर अकलोरडीह चली गई। शाम को लक्ष्मी श्रीवास को उसके छोटे बेटे लोकनाथ श्रीवास मुझे फोन पर बताया कि बडा भाई तरूण श्रीवास हम लोग के घर को आग लगा दिया है तब मै और चाचा लोग आग को बुझाने की कोशिश किये पर नहीं बुझा। इसके बाद में फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग में काबू पाया। इस आगजनी में घर में रखा कुलर, दीवान, गैस सिलेण्डर , बर्तन एवं मकान में लगे बास, बल्ली, भदरी जल गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 326(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया।

घटना के बाद से आरोपी था फरार

घटना के बाद से ही आरोपी तरुण श्रीवास फरार था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। इस बीच 1 दिसंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि तरुण श्रीवास मैत्री गार्डन चौक के पास घूम रहा है। सूचना पर थाना उतई पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी तरूण श्रीवास को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने 1 नवंबर को अपने घर पर आग लगाने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने उसे विधिवत गिरफ्तार किया और जेल भेजा। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उतई निरीक्षक विपिन रंगारी, उप निरीक्षक प्रमोद सिन्हा, एएसआई नेमन सिंह साहू, प्रधान आरक्षक महेश देवांगन, आरक्षक राजीव दुबे की सराहनीय भूमिका रही।

आवारा कुत्तों के आतंक से शहरवासी परेशान, आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

दुर्ग। दुर्ग जिला अध्यक्ष (शहर) संजय सिंह के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने आयुक्त, नगर निगम दुर्ग को ज्ञापन सौंपा और शीघ्र अतिशीघ्र अभियान चलाकर आवारा कुत्तों के आतंक से शहर को मुक्ति दिलाने की मांग की। उन्होंने साथ ही पूर्व में बने डाग हाऊस, और कुत्तों की नशबंदी के नाम पर किये जा रहे खानापूर्ति की जांच की मांग की। आयुक्त से चर्चा के दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश संयुक्त सचिव देवेन्दर सिंग भाटिया, जिला अध्यक्ष संजय सिंह, अशोक पटवा, शंकर ठाकुर, बल्देव साहू, आनन्द नरेरा, नकुल महलवार, मो. शाहिद खान, अजय रामटेके, रानू भूपेन्द्र कश्यप, सत्तार खान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

ठगी के अलग-अलग मामलों में 9 शातिर गिरफ्तार, रायपुर सायबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इन मामलों रायपुर पुलिस ने की है कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर की साइबर थाना पुलिस ठगी के अलग अलग मामलों में 9 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस ने सिम स्वैपिंग, क्रिप्टोकरंसी इन्वेस्टमेंट और शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को ठगने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों को पुणे, मुंबई, नासिक, दुर्ग, महासमुंद, बिलासपुर और रायपुर से गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने कुल 6 ठगी के मामलों का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के बैंक खाते में होल्ड रकम छह लाख रुपए भी पीड़ित के खातों में वापस करवाये हैं। साथ ही इन प्रकरणों में बैंक अकाउंट में होल्ड 4.21 करोड़ रुपए पीड़ितों के खातों में जल्द वापसी कराने के लिये प्रक्रिया जारी है। अन्य लेयर के बैंक खाता में होल्ड 30 करोड़ रुपये का की जांच की जा रही है।

केश 1:

प्रार्थी अनिमेश तिवारी ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 99 लाख रुपए ठगी होने की रिपोर्ट थाना तेलीबांधा में दर्ज कराई थी। जांच में आरोपी समीर थोरात पिता खंडेराव थोरात उम्र 25 वर्ष पता चादोंली अंबेगांव थाना मंचर पुणे महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी लाइसेंस बनाने एवं RTO सम्बंधी कार्य करता है। पूर्व में एक आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

केश 2:

प्रार्थी अभिषेक अग्रवाल ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 2.5 करोड़ ठगी होने की रिपोर्ट थाना न्यू राजेंद्र नगर में दर्ज कराया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 430/24 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी गई थी। विवेचना क्रम में आरोपी मयूरेश राजेंद्र गांगुर्दे पिता राजेंद्र गुलाब गांगुर्दे उम्र 31 वर्ष पता वाडीताल डिंडोरी जिला नासिक महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया है।

केश 3:

प्रार्थी निशांत जैन ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 29 लाख ठगी होने की रिपोर्ट थाना तेलीबांधा में दर्ज कराया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 577/24 धारा 318(4), 61 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी गई थी। विवेचना क्रम में आरोपी आकाश विलास भालेराव पिता विलास भालेराव उम्र 25 वर्ष निवासी पिंपरी थाना येवोला जिला नासिक महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई किया है।

केश 4:

प्रार्थी नवीन कुमार ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम से उनसे 1.39करोड़ ठगी होने की रिपोर्ट थाना तेलीबांधा में दर्ज कराया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 578/24 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी गई थी। विवेचना क्रम में आरोपी अजय तिडके पिता किशन तिडके उम्र 27 वर्ष निवासी बालापुर नाकाहीरा खामगांव महाराष्ट्र जो पुणे महाराष्ट्र में छिप कर निवास कर रहा था को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व में एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

केश 5:

प्रार्थी चमन लाल साहू के बैंक अकाउंट में लिंक जिओ सिम को अज्ञात आरोपियों द्वारा E-SIM में पोर्ट कर उनसे ठगी होने की रिपोर्ट थाना राखी में दर्ज कराया था। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 225/24 धारा 318(4), बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मेराज आलम पिता एस आर अंसारी उम्र 25 वर्ष पता रू1 ओल्ड आदर्श नगर कसारीडीह कोतवाली दुर्ग और नौशाद अंसारी पिता शहाबुद्दीन अंसारी उम्र 25 वर्ष पता मकान नंबर 39/331 गणेश नगर चुहियापारा बिलासपुर को गिरफ्तार किया गया है।

केश 6:

प्रार्थी निकिता पवार ने ऑनलाइन क्रिप्टोकरेंसी के नाम से उनसे 21 लाख रुपए की ठगी होने की रिपोर्ट रेंज साइबर थाना में अपराध क्रमांक 12/24 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस दर्ज कराई थी। प्रकरण में तीन आरोपी रविंदर सिंह चावला पिता ज्ञानसिंह चावला उम्र 53 वर्ष पंजाबी कॉलोनी महासमुंद, (2) दीपक टीलवानी पिता सुदामा लाल टीलवानी उम्र 31 वर्ष महावीर नगर न्यू राजेंद्र नगर रायपुर व तरुण उर्फरौनक नचरानी पिता राजेश नचरानी उम्र 24 वर्ष आनंद नगर तेलीबांधा को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा पर जेल भेजा गया है

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950